साप्ताहिक समाचार पत्र

MPHIN/26/A6689

खबरों की ताकत



वर्ष 1 अंक : 07 ग्वालियर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 8+4 मूल्य 2 रुपए

तिरंगा लेकर जंतर-मंतर पहुंचे; फिर हिरासत में सौरव दास-रांका

नई दिल्ली। सीजेपी के नेता आशुतोष रांका और सौरव दास को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश के दौरान फिर हिरासत में लिया गया। संगठन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन करना चाहता है। इससे पहले 10 अक्टूबर को सीजेपी के तीन नेताओं को दिल्ली हवाई अड्डे पर विमान के अंदर से हिरासत में लिया गया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर मंगलवार सुबह तिरंगा लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के कुछ कार्यकर्ता पहुंचे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। इस दौरान सीजेपी से जुड़े कुछ सदस्यों को भी हिरासत में लिए जाने का दावा किया गया है। सीजेपी की ओर से साझा की गई पोस्ट के मुताबिक, आशुतोष रांका, सौरव दास और अजिंक्य समेत संगठन के अन्य सदस्यों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। पोस्ट में बताया गया कि ये लोग सुबह-सुबह तिरंगा लेकर जंतर-मंतर पहुंचे थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

इस कार्रवाई के बाद सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, आप प्रतिरोध को खत्म नहीं कर सकते। पोस्ट में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने पर सवाल उठाया गया है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में पुलिस की ओर से इस कार्रवाई की वजह या हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक देशभर में प्रदर्शन जारी रहेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने क्या कार्रवाई की है। दिपके ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि लोगों से कहा गया कि वे इस बार मतदान नहीं कर सकते तो अगली बार कर लेंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या सुप्रीम कोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी यही कहेगा कि वह इस बार चुनाव न लड़ें और अगली बार लड़ लें?



दिपके बोले- प्रतिरोध को दबा नहीं सकते

दिपके ने दिल्ली में इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को बड़ा और महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विपक्ष समेत पूरे देश को ऐसे प्रदर्शनों के लिए एकजुट होना चाहिए।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं को दिल्ली पुलिस ने पहली बार 10 अक्टूबर को हिरासत में लिया था। पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके, सह-संयोजक आशुतोष रांका और मुख्य प्रवक्ता सौरव दास दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में पहुंचने की कोशिश में थे। पुलिस ने तीनों को दिल्ली हवाई अड्डे पर विमान के अंदर से हिरासत में ले लिया। सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करना चाहती थी। पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अनियमितताएं हुई हैं। इसके बाद 11 अक्टूबर को तीनों नेताओं को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। उन्हें एक साल तक शांति बनाए रखने और अच्छे आचरण की शर्त पर 50 हजार रुपये के जमानती मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया गया।

रिहाई के बाद सीजेपी ने प्रदर्शन से पीछे हटने के बजाय आंदोलन जारी रखने का एलान किया। 12 अक्टूबर को आशुतोष रांका और सौरव दास पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने दिल्ली पुलिस से जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए 24 घंटे के भीतर तारीख और समय तय करने की मांग की। उनका कहना था कि अगर पुलिस तारीख नहीं देती है, तो पार्टी खुद प्रदर्शन का एलान करेगी। इसी बीच दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर रोड को प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल की सूची से हटा दिया। पुलिस ने प्रदर्शन के लिए रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी मैदान जैसे वैकल्पिक स्थान बताए। सीजेपी ने इस फैसले पर आपत्ति जताई और जंतर-मंतर पर ही प्रदर्शन करने की मांग जारी रखी।

आज राहुल गांधी के आवास पर जुटेंगे विपक्षी नेता

इंडिया ब्लॉक करेगा प्रेस कॉन्फ्रेंस; क्या होगी आगे की रणनीति?

नई दिल्ली। राहुल गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के 11 नेताओं ने निर्वाचन आयोग की कथित अनियमितताओं और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में संयुक्त याचिका दाखिल की है। उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विपक्षी सांसदों, नागरिक समाज और छात्र संगठनों को अपने आवास पर चाय के लिए आमंत्रित किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को इंडिया ब्लॉक के सांसदों, नागरिक समाज के सदस्यों और छात्र संगठनों को चाय पर बुलाया है। यह कार्यक्रम उनके आवास पर होगा। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार दोपहर इंडिया ब्लॉक के नेताओं की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। इसके बाद चाय का कार्यक्रम होगा। मैं आपको मंगलवार, 13 अक्टूबर को शाम 4 बजे, 5, सुनहरी बाग रोड, नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर आने के लिए आमंत्रित करता हूं। यह घटनाक्रम वोट चोरी के आरोपों को लेकर हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद सामने आया है। सोमवार को यह विरोध प्रदर्शन सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था।



विपक्ष के बड़े नेताओं ने कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ मिलकर लोकतंत्र बचाओ मार्च निकाला। इसके लिए भारी बैरिकेडिंग वाले रास्ते से मार्च किया गया। विपक्षी नेताओं ने एसआईआर और चुनाव में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ संयुक्त याचिका भी दायर की। राष्ट्रीय राजधानी में इस प्रदर्शन को विपक्ष की ताकत दिखाने के बड़े प्रयास के तौर पर देखा गया। राहुल गांधी की कानूनी टीम ने निर्वाचन आयोग की कथित अनियमितताओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की है। याचिका को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में दर्ज कर लिया गया है और इसका डायरी नंबर 64196/2026 है। जानकारी के अनुसार, यह याचिका 12 अक्टूबर 2026 को शाम 4:37 बजे दायर की गई है। फिलहाल इसकी स्थिति लंबित दिख रही है और इसका केस नंबर डब्ल्यू.पी.(सी) नंबर के तहत दर्ज हुआ है। इस मामले पर मंगलवार को सुनवाई होने की संभावना जताई जा रही है।

यह याचिका अकेले राहुल गांधी की नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के 11 बड़े नेताओं की ओर से संयुक्त रूप से दाखिल की गई है। याचिकाकर्ताओं में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, सौगत रॉय, अखिलेश यादव, तेजस्वी प्रसाद यादव, संजय राउत, एमए बेबी, डी राजा, महुआ माजी, सुप्रिया सुले और ईटी मोहम्मद बशीर शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में घुसपैठ कोशिश कर रहे 4 आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर समेत चार आतंकियों के मारे जाने की खबर है। चारों आतंकियों की पहचान मोहम्मद इश्तियाक, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद वकास और मोहम्मद असीम के रूप में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों का यह समूह सोमवार दोपहर बाद कृष्णा घाटी सेक्टर के नंगी टकरी इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वे बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र में पहुंच गए, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट में चारों आतंकियों की मौके पर ही मौत हो गई। भारतीय सुरक्षा बलों ने पूरे सेक्टर में अलर्ट जारी कर दिया है। नियंत्रण रेखा पर निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी संभावित सुरक्षा चूक को रोका जा सके।



एक अन्य घटना में, भारतीय सेना ने सोमवार को पुंछ के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में सीमा पर लगी बाड़ के पास दो पुरानी बारूदी सुरंगों का पता लगाया। अधिकारियों के अनुसार, सुबह 8:25 बजे रास्ता बनाने के काम के दौरान ये सुरंगें मिलीं। सेना के विशेषज्ञों ने नियंत्रित विस्फोट के जरिए दोनों बारूदी सुरंगों को नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में इसी इलाके में करीब एक दर्जन बारूदी सुरंगों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा चुका है।

पटाखा बैन : सुप्रीम कोर्ट बोला-कम प्रदूषण वाले तरीके अपनाएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन जरूरी है। ष्टछ्ठह्व सूर्यकांत की बेंच ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की।

सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा, अगर भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी।

ऐसा आदेश नहीं देंगे जिसे लागू न किया जा सके : बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना शामिल थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पटाखों से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आदेश देने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसे व्यावहारिक और लागू करने योग्य बनाया जा सकता है या नहीं। जस्टिस बागची ने पटाखे फोड़ने के धार्मिक आधार पर सवाल उठाया।



जागरूकता और कम प्रदूषण वाले पटाखों पर जोर :सीजेआई ने कहा कि लोगों को समझदार बनाना होगा और जागरूक करना होगा। उन्हें बताना होगा कि कौन से पटाखे ज्यादा नुकसानदायक हैं। हमें लोगों को अपनी मूल संस्कृति की ओर लौटने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उस समय केवल फुलझड़ियां जलती थीं और दीपक जलाए जाते थे।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी

पिछले साल दिवाली से पहले दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 200 पार हो गया था। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और नेशनल कैपिटल रीजन में ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी थी। यह छूट परंपराओं और पर्यावरण व स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने की शर्तों के साथ दी गई थी।

देवी-देवता भी दंग रह जाएंगे, पटाखों का धर्म से क्या संबंध?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में पटाखों पर पाबंदी लगाने पर विचार करते समय धार्मिक भावनाओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने कहा कि लोगों को त्योहार मनाने के ऐसे तरीके स्वेच्छा से अपनाने चाहिए, जिनसे कम प्रदूषण फैले, न कि अदालत के प्रतिबंधात्मक आदेशों पर निर्भर रहना चाहिए। पीठ ने कहा कि वह लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहती, लेकिन उसने नागरिकों को पटाखों के नुकसान के बारे में जागरूक करने और सुरक्षित तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन बैन

सरकार ने 33 साल पहले इजाजत दी थी; अन्ना आंदोलन, कॉकरोच पार्टी का धरना यहीं हुए

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकेंगे। केंद्र सरकार ने इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया है। सरकार ने 33 साल पहले जंतर-मंतर को प्रदर्शन की जगह तय किया था। गृह मंत्रालय की बनाई कमेटी की सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। यहीं पर अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना हुआ था।



सीजेपी को प्रदर्शन की परमिशन देने से पुलिस का इनकार : कॉकरोच जनता पार्टी ने ष्टश्वष्ट ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर पर रोक की मांग को लेकर सोमवार को भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी, लेकिन पुलिस ने इनकार कर दिया। इससे पहले सीजेपी ने 20 जून से 25 जुलाई तक नीट यूजी पेपर लीक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया था। 36 दिन तक चले इस प्रदर्शन के दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। 25 जुलाई को प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था।

गृह मंत्रालय ने कमेटी बनाई थी

गृह मंत्रालय ने विरोध-प्रदर्शन और धरना आयोजित करने के लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से एक कमेटी बनाई थी। समिति की सिफारिशों के बाद रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और सीबीडी ग्राउंड नाम तय किए।

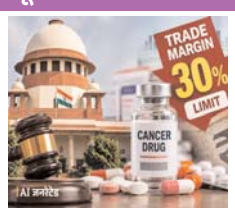
यहां के लिए एसओपी अलग से जारी की जाएगी। जंतर-मंतर को प्रदर्शन की जगहों से हटाने के पीछे की वजह नहीं बताई गई है। लेकिन, माना जा रहा है कि संसद से सिर्फ 1.5 चद्व दूरी इसकी सबसे बड़ी वजह है। जून-जुलाई में हुए कॉकरोच पार्टी के धरने के दौरान प्रदर्शनकारी संसद के नजदीक पहुंच गए थे। उन्हें रोकने के लिए दरवाजे बंद करने पड़े थे। एक बार फिर कॉकरोच पार्टी अब यहां प्रदर्शन के लिए मंजूरी मांग रही है। यहां तक की राहुल समेत विपक्ष भी जंतर-मंतर पर धरना देने की तैयारी में है। रामलीला मैदान भी संसद से करीब 3-4 किमी दूर है, जबकि बुराड़ी और ष्टश्वष्ट मैदान शहर के दूसरे हिस्सों में हैं।

कैंसर रोधी दवाओं पर 30 प्रतिशत ट्रेड मार्जिन की सीमा तय

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- दूसरी दवाओं की कीमत पर रोक क्यों नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30ब्न तक सीमित करने के केंद्र के फैसले पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि सरकार के जवाब में खुश होने जैसा कुछ नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि जब कैंसर की दवाओं पर मार्जिन तय किया जा सकता है, तो दूसरी दवाओं पर ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता? केंद्र ने बताया कि इस फैसले से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है। कोर्ट ने दवाओं की कीमत तय करने के तरीके पर जानकारी देने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को 27 अक्टूबर तक का समय दिया।

सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024-25 में भारत में कैंसर-रोधी दवाओं की सालाना बिक्री ?5,281 करोड़ रही। 2021-22 में यह ?3,382 करोड़ थी। यानी तीन साल में बिक्री करीब 56ब्न बढ़ी। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी पेश हुए। बेंच ने कहा, हम मानते हैं कि परिवहन, कच्चे माल, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और दूसरी लागत होती हैं। लेकिन ये सभी स्ब्क्क में शामिल होती हैं। उन्हें असली लागत से 400 गुना ज्यादा कीमत पर बेचने की अनुमति देने का क्या तर्क है? आप ऐसा कैसे होने दे सकते हैं?



भाटी ने कहा कि भारत में दवाओं की कीमत दुनिया में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से इलाज के लिए बड़ी संख्या में लोग भारत आते हैं। तुषार मेहता ने कहा कि दवाओं की कीमत एक सीमा से ज्यादा नियंत्रित नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि ज्यादा मार्जिन मिलने से दवाएं दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचती हैं।

जस्टिस मेहता ने कहा, अगर ष्टश्वष्ट से मंजूर दवाएं ग्राहकों तक नहीं पहुंचतीं, तो मरीजों तक उन्हें पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है।

ऋषि सुनक बोले- भारत अपना रास्ता खुद तय करने में सक्षम

नई दिल्ली। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत और खाड़ी देश अब अमेरिका या चीन पर निर्भर रहने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन अमेरिका का बड़ा आर्थिक, सैन्य और तकनीकी प्रतिद्वंद्वी बन चुका है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को कहा कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत और खाड़ी देशों जैसे देश अब अपनी राह खुद चुनने में सक्षम हैं। वे हर मुद्दे पर अमेरिका या चीन से सहमत हों, यह जरूरी नहीं है। नई दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम 2026 में उन्होंने कहा कि दुनिया में शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है। इससे वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता बढ़ रही है।



अमेरिका और चीन पर क्या कहा?

'द एंड ऑफ प्रिडिक्टेबिलिटी' यानी 'अनिश्चितता का दौर' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में सुनक ने कहा कि दुनिया उस बहुपक्षीय और नियमों पर आधारित व्यवस्था से दूर जा रही है, जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार दिया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बदलाव की वजह नहीं, बल्कि इसके लक्षण हैं। अब दुनिया किस नई व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, यह स्पष्ट नहीं है। इससे भू-राजनीतिक अनिश्चितता और खतरे काफी बढ़ गए हैं। सुनक ने कहा कि चीन अब आर्थिक, सैन्य और तकनीकी क्षेत्रों में अमेरिका के बराबर का प्रतिस्पर्धी बनकर उभरा है। उनके मुताबिक, वैश्विक अर्थव्यवस्था में यह एक बड़ा बदलाव है। चीन की बढ़ती ताकत ने दुनिया के शक्ति संतुलन को बदल दिया है और इसका असर आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी पड़ेगा। सुनक ने भारत और खाड़ी देशों की बढ़ती स्वतंत्र भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि ये देश अब अपने हितों के मुताबिक फैसले लेने में सक्षम हैं। वे हर बार अमेरिका या चीन के साथ खड़े नहीं होंगे, बल्कि वही करेंगे जो उनके लिए सही होगा। उन्होंने इसे वैश्विक व्यवस्था में उभरती एक नई विशेषता बताया। दुनिया में बढ़ते सुरक्षा संकट पर चिंता जताते हुए सुनक ने कहा कि इस समय दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी भी दौर के मुकाबले ज्यादा सशस्त्र संघर्ष हो रहे हैं। उन्होंने दुनिया भर में देशों से जुड़े 61 सशस्त्र संघर्षों का जिक्र किया और कहा कि यह स्थिति चिंताजनक है। सुनक ने व्यंग्य करते हुए कहा कि जहां वह इन संघर्षों को लेकर चिंतित हैं, वहीं राष्ट्रपति ट्रंप शायद इन्हें नोबेल शांति पुरस्कार जीतने के 61 अवसरों के रूप में देखते होंगे।

सुनक ने अमेरिकी राष्ट्रपति के उप चीफ ऑफ स्टाफ की एक टिप्पणी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा था कि दुनिया अब ऐसी स्थिति में है, जहां ताकत, शक्ति और बल के आधार पर फैसले लिए जा रहे हैं।

वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में सरकार की प्रतिबद्धता का संकल्प सर्वसम्मति से किया पारित

प्रधानमंत्री श्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के गौरवशाली, ऐतिहासिक एवं असाधारण 25 वर्ष पूर्ण होने पर साढ़े 8 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से मंत्रि-परिषद ने किया कृतज्ञतापूर्वक अभिनन्दन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। सुशासन, विकास एवं राष्ट्र-कल्याण को समर्पित देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के गौरवशाली, ऐतिहासिक एवं असाधारण 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ से अधिक जनता की ओर से मंत्रि-परिषद ने कृतज्ञतापूर्वक अभिनन्दन करते हुए संकल्प पारित किया। मंत्रि-परिषद ने वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण के महायज्ञ में, प्रधानमंत्री श्री मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में कंधे से कंधा और कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की विशेष बैठक में पारित संकल्प के बारे में मीडिया को जानकारी दी। इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और श्री राजेंद्र शुक्ल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने लोक सेवा के 25 वर्षों में अनथक एवं अहर्निश पुरुषार्थ के बल पर केवल संकल्प ही नहीं लिए बल्कि उन्हें सिद्ध करके भी दिखाया है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानसेवक के रूप में उनका यह कार्यकाल त्याग, समर्पण और लोक-कल्याण का अनुपम उदाहरण है। इस अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उपलब्धि पर मध्यप्रदेश राज्य मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का कोटि-कोटि वंदन, आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के विस्तार, आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण, डिजिटल क्रांति, विनिर्माण क्षमता को गति देने तथा देश के गरीबों, वंचितों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के सर्वांगीण सशक्तिकरण से हर नागरिक के जीवन में जो सकारात्मक बदलाव आया है, वह अविस्मरणीय है।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वी विल डू इट का मंत्र देकर एक बार फिर देश की सामूहिक शक्ति को जागृत किया है। अपने सामर्थ्य और समर्पण से प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस मंत्र को अपना मिशन बनाकर हम विकसित भारत के लिए विकसित मध्यप्रदेश बनाएंगे। हमें पूर्ण विश्वास है कि वर्ष 2047 में भारत जब आजादी के 100 वर्ष पूर्ण करेगा, तब हमारी पहचान आत्मनिर्भर और विकसित भारत के रूप में होगी। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के महामंत्र से समाज के अंतिम व्यक्ति को राष्ट्र-निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने, देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को अभेद्य बनाने, भारत की प्राचीन समृद्ध विरासत का संवर्धन करने तथा ग्लोबल साउथ के मुखर स्वर के रूप में विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए मंत्रि-परिषद ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के प्रति प्रधानमंत्री श्री मोदी का असीम स्नेह है। जितनी आत्मीयता प्रधानमंत्री श्री मोदी को मध्यप्रदेश से है, मध्यप्रदेश उतनी ही आस्था प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति प्रकट करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के दिल में बसे हैं। लोक सेवाओं के नित नये प्रतिमान रचने वाले प्रधानमंत्री श्री मोदी हम सबके प्रेरणा स्त्रोत हैं।

मंत्रि-परिषद द्वारा लिए गए संकल्प में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र में हुए कार्यों का उल्लेख किया गया है। संकल्प में उल्लेख किया गया कि 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को निशुल्क खाद्यान्न दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन-धन, प्रधानमंत्री मुद्रा, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, स्वामित्व, पीएम स्वनिधि और उज्ज्वला योजना को अंत्योदय को सार्थक करने वाली योजनाएं बताया गया है। संकल्प में नोटबंदी, जीएसटी, तीन तलाक कानून, तीन नई न्याय संहिताएं और जन-विश्वास अधिनियम का उल्लेख है। योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन, प्रगति मंच पर परियोजनाओं की समीक्षा, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और पीएम गति शक्ति भी इसमें शामिल हैं। संकल्प के अनुसार यूपीआई की पहचान देश और दुनिया में बढ़ी है और विश्व के लगभग 40 प्रतिशत डिजिटल लेन-देन भारत में हो रहे हैं। सेमीकंडक्टर मिशन, राष्ट्रीय क्वांटम मिशन और इंडिया एआई मिशन को नई तकनीक और अनुसंधान का आधार बताया गया है। दो लाख से अधिक स्टार्ट-अप युवाओं के उद्यमशीलता के सपनों को साकार कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना और जन औषधि केंद्रों का उल्लेख है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से संसद और विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने की दिशा को नारी सशक्तिकरण का प्रयास बताया गया है।

दमोह सहित सभी जिलों को मिल रही हैं सड़कों की सौगात : मुख्यमंत्री

रानी दमयंती पुरातत्व संग्रहालय को मिलेगा नया स्वरूप, श्री जागेश्वर नाथ लोक का भी होगा विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दमोह जिले को नई सड़कों की सौगत मिल रही है। इनमें दमोह-कटनी और दमोह-सागर फोर लेन रोड शामिल हैं। इनकी संयुक्त लागत साढ़े छह हजार करोड़ रूपये से अधिक है। इसके अतिरिक्त बांदकपुर में देव श्री जागेश्वर नाथ लोक के प्रथम चरण में 10 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कार्य हो रहे हैं। रानी दमयंती पुरातत्व संग्रहालय को नया स्वरूप प्रदान करने के लिए 20 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को (संवाद भवन) मुख्यमंत्री निवास में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दमोह लोकसभा क्षेत्र के नागरिकों, विभिन्न संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विकास योजनाओं को



लागू करने के लिए स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ पुष्पहार पहनाकर और साफा बांधकर अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती पर वीरों के शौर्य और आल्हा-ऊदल की वीरता के किस्से आज भी गली-गली में गूंजते हैं। सागर और दमोह केवल दो जुड़वाँ जिला मुख्यालय नहीं हैं, बल्कि ये बुंदेलखंड की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। बुंदेलखंड में पर्यटन, कृषि, व्यापार और उद्योग विकास की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप समृद्ध मध्यप्रदेश बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के प्रमुख नगरों और जिला मुख्यालयों तक बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध करवाई जा रही है। अच्छी सड़कें विकास की संभावनाओं को साकार कर देती हैं। क्षेत्र विकास के लिये दमोह-सागर, दमोह-कटनी मार्ग को फोरलेन करने के लिए मंजूरी दी गई। इससे दोनों जिला मुख्यालयों के बीच आवागमन की सुविधा बढ़ेगी। मड़ियादो- रजपुरा और मड़ियादो-बनार- किशनगढ़ मार्गों का निर्माण भी किया जाएगा। दमोह- बांदकपुर मार्ग सहित तीन आरओबी का कार्य भी शीघ्र पूरा हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि हर क्षेत्र में बेहतर सड़क, अच्छी शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के अधिक से अधिक अवसर मिलें। सागर और दमोह के बीच लगभग 2 हजार करोड़ की लागत से वर्तमान 76.83 किलोमीटर मार्ग को चार लेन किया जाएगा। इस परियोजना में 4 बायपास भी बनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अच्छी सड़कों से राज्य के किसानों को मंडी तक फसल ले जाने, विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज जाने और मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने जैसे कार्यों में मदद मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़कें केवल वाहनों के चलने का रास्ता नहीं होतीं, बल्कि रोजगार, निवेश, शिक्षा और समृद्धि का मार्ग भी खोलती हैं। हमारी सरकार एक ऐसे मध्यप्रदेश का निर्माण करना चाहती है, जहां विकास योजनाओं से अंतिम पंक्ति का व्यक्ति भी लाभान्वित हो।

छत्तीसगढ़ आयेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, लोकभवन रायपुर में प्रवास की तैयारियों को लेकर बनी ये रणनीति

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ आयेंगी। वो 22 और 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ प्रवास पर आयेंगी। इस संबंध में तैयारियों को लेकर लोकभवन रायपुर में जरूरी बैठक बुलाई गई। राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान लोकभवन में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ आयेंगी। वो 22 और 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ प्रवास पर आयेंगी। इस संबंध में तैयारियों को लेकर लोकभवन रायपुर में जरूरी बैठक बुलाई गई। राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान लोकभवन में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।



संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में लोकभवन परिसर में बैठक व्यवस्था, पार्किंग, बिजली और इंटरनेट की उपलब्धता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर मंथन हुआ। इसके साथ ही चिकित्सा सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों और प्रोटोकॉल के तहत वाहनों की व्यवस्था समय पर तय करने के निर्देश दिए गए, ताकि राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से हो सकें। इस बैठक में जनसंपर्क विभाग के संचालक आशीष कुमार टिकरिहा, रायपुर के पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम रायपुर, सामान्य प्रशासन विभाग और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शिवराज के बेटे कार्तिकेय की खेलों में एंट्री

एमपी वॉलीबॉल संघ के निर्विरोध अध्यक्ष बने, कल हुए चुनाव

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की चुनावी राजनीति से पहले खेल प्रशासन में एंट्री हो गई है। कार्तिकेय मध्य प्रदेश वॉलीबॉल संघ के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। रविवार को भोपाल में हुए चुनाव में उन्हें 2026-2030 के कार्यकाल के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई। चुनाव में प्रदेश के 33 जिला संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए। अध्यक्ष बनने के बाद कार्तिकेय ने प्रदेश में वॉलीबॉल के विकास के लिए मध्यप्रदेश वॉलीबॉल खेल नीति 2026 का प्रारूप जल्द तैयार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर जिले में खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए रोडमैप बनाया जाएगा। नई प्रतिभाओं को अवसर देने, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और जिला संघों को



आर्थिक सहायता देने पर भी काम किया जाएगा। कार्तिकेय ने संघ के पदाधिकारियों, जिला संघों के प्रतिनिधियों और सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि उन पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उनका लक्ष्य वॉलीबॉल को प्रदेश के हर गांव और युवा तक पहुंचाना है। चुनाव अधिकारी एडवोकेट दिलीप मालवीय ने चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई। नई कार्यकारिणी में अनवर खान वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विधायक आशीष शर्मा और राम पांडे उपाध्यक्ष, सतीश जोशी महासचिव और विशाल शर्मा कोषाध्यक्ष चुने गए। डीआर सिंह और राजेश शुक्ला संयुक्त सचिव बनाए गए हैं। कार्यकारिणी सदस्यों में आशीष सिंह, भूपेन्द्र कांत, राजेन्द्र चतुर्वेदी, मेरिट खिलाड़ी श्वेता शर्मा और रीवा के कृष्णानंद शामिल हैं। बैठक में विभिन्न आयु वर्गों की राज्य स्तरीय चैंपियनशिप कराने की स्वीकृति भी दी गई। अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद कार्तिकेय सिंह चौहान ने प्रदेश में वॉलीबॉल के समग्र विकास के लिए मध्यप्रदेश वॉलीबॉल खेल नीति 2026 का प्रारूप जल्द जारी करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर जिले में इस खेल को बढ़ावा देने के लिए रोडमैप तैयार किया जाएगा। नई प्रतिभाओं को अवसर देने, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और जिला संघों को आर्थिक सहायता देने की दिशा में भी काम किया जाएगा। उन्होंने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने के लिए संघ के सभी पदाधिकारियों, जिला संघों के प्रतिनिधियों और सदस्यों का आभार जताया।

एमपी में 20 अक्टूबर से रात में ठंड बढ़ेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल और रीवा संभाग में रविवार को बूंदाबांदी हुई। कुछ जगहों पर बादल भी छाए रहे। (मौसम केंद्र) भोपाल के मुताबिक, सोमवार से साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) का असर खत्म हो जाएगा। इसके बाद रात में ठंड बढ़ेगी, लेकिन पूरे अक्टूबर दिन में गर्मी का असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने 20 अक्टूबर से रात में ठंड बढ़ने का अनुमान जताया है। इससे पहले बीती रात इंदौर में पारा 15.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शाजापुर में 16.4 डिग्री, छिंदवाड़ा में 16.9 डिग्री, पचमढ़ी में 17.5 डिग्री और भोपाल में 17.8 डिग्री रहा। दिन की बात करें तो ग्वालियर-नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा गर्मी है। यहां अधिकतम तापमान 36 डिग्री के पार चल रहा है।

रिटायर्ड आईएस अधिकारी के हत्यारे का अब तक सुराग नहीं

भोपाल स्टेशन पर दिखा, 100 से ज्यादा परिचितों से पूछताछ; आगरा-वृंदावन में चिपकाए पोस्टर

भोपाल। भोपाल में 30 सितंबर को रिटायर्ड आईएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की हत्या कर भागे वरुण कुमार का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। हालांकि, भोपाल रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों में उसकी गतिविधियां कैद हुई हैं। ये फुटेज 30 सितंबर के तड़के 3:51 बजे का है। मेडिसिनल केयरटेकर वरुण की तलाश में भोपाल पुलिस मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में उसके संभावित ठिकानों और संपर्कों की पड़ताल कर रही है। उसके 100 से ज्यादा रिश्तेदारों और दोस्तों से पूछताछ की जा चुकी है। आगरा से वृंदावन जाने वाली रोड पर 80 से ज्यादा जगह पोस्टर चिपकाए गए हैं। फिलहाल, पुलिस रेलवे स्टेशन के फुटेज और वरुण के संभावित



यात्रा रिकॉर्ड का मिलान कर उसकी फरारी की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। अग्रवाल की हत्या की जांच में एक करोड़ रुपए से ज्यादा की पुरानी धोखाधड़ी का एंगल भी सामने आया है। करीब 11 महीने पहले अग्रवाल ने पूर्व परिचित अजीत पाटनी के खिलाफ क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी। आरोप था कि अजीत ने कंपनी में निवेश और ज्यादा रिटर्न का झांसा देकर किस्तों में एक करोड़ रुपए से ज्यादा लिए, लेकिन पैसे वापस नहीं किए। जांच के बाद अक्टूबर 2025 में अजीत के खिलाफ स्नद्धक्र दर्ज हुई और उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब इस केस से जुड़े लोगों, कोर्ट की कार्रवाई और अग्रवाल की गवाही की भी जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि वरुण कुमार को 27 सितंबर को ही वर्मा होम हेल्थ केयर एजेंसी के जरिए अग्रवाल के घर नौकरी पर रखा गया था। पुलिस ने कंपनी से उसके दस्तावेज, पुराने काम और वेरिफिकेशन की जानकारी ली है। वरुण का पंजाब के पटियाला एसपी कार्यालय से 1 मई 2025 को जारी चरित्र प्रमाण पत्र भी मिला है। यह उसने नौकरी के लिए बनवाया था। इसमें उसे अच्छे चरित्र का और अपराधमुक्त बताया गया है।

सांदीपनि विद्यालयों के बच्चों को देना होगा बस का किराया



भोपाल। सांदीपनि विद्यालयों में पढ़ रहे करीब 1 लाख 50 हजार बच्चों से अब निःशुल्क बस सेवा छिनने वाली है। स्कूल शिक्षा विभाग इन बसों का किराया तय करने जा रहा है। जिसका असर सीधेतौर पर बच्चों के अभिभावकों की जेब पर पड़ेगा। विभाग के इस प्रस्ताव को आज चर्चा के बाद कैबिनेट मंजूरी दे सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव के तहत कलेक्टरों को अपने जिले में संचालित सांदीपनि विद्यालयों की बसों का किराया तय करने और अभिभावकों से वसूली का अधिकार दिया जा सकता है। यदि प्रस्ताव मंजूर होता है, तो अब तक मुफ्त बस सुविधा का लाभ ले रहे बच्चों के अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। प्रदेश में फिलहाल 370 सांदीपनि विद्यालयों में बसों के जरिए बच्चों को निशुल्क लाने और घर पहुंचाने की व्यवस्था संचालित है। इस सुविधा पर होने वाले खर्च की भरपाई के लिए सरकार मौजूदा नियमों में बदलाव पर विचार कर रही है। प्रस्ताव के मुताबिक, कलेक्टरों को जिले की परिस्थितियों के अनुसार बस किराया निर्धारित करने और अभिभावकों से शुल्क लेने की व्यवस्था लागू करने का अधिकार मिल सकता है। हालांकि, किराया कितना होगा, किन बच्चों से वसूला जाएगा और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कोई छूट मिलेगी या नहीं, इसे लेकर फिलहाल स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। प्रस्ताव के बीच परिवहन सुविधा की उपलब्धता भी बड़ा सवाल है। जानकारी के मुताबिक, प्रदेश के 19 जिलों में सांदीपनि विद्यालयों के करीब 1.5 लाख बच्चों को बस सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कई विद्यालयों में बसें उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जिन बच्चों को अभी परिवहन सुविधा नहीं मिल रही, उनके लिए पहले बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी या किराया वसूली की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी।

स्कूल शिक्षा के 32 हजार शिक्षकों की पदोन्नति अटकी

जनजातीय विभाग ने आदेश जारी किए, कर्मचारियों ने देरी पर उठाए सवाल

भोपाल। भोपाल में स्कूल शिक्षा विभाग के 32 हजार से अधिक शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया लंबित है, जबकि जनजातीय कार्य विभाग ने 264 उच्च श्रेणी शिक्षकों और प्रधानपाठकों को व्याख्याता के पद पर पदोन्नति दे दी है। इस अंतर को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों में नाराजगी है। शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश ने सवाल उठाया है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद विभाग में पदोन्नति के आदेश क्यों जारी नहीं हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग की अलग-अलग स्थिति का मुद्दा फिर चर्चा में है। संगठन का कहना है कि दोनों विभागों में समान योग्यता, अर्हता और सेवा शर्तों के आधार पर नियुक्त



शिक्षकों को जनजातीय कार्य विभाग में पदोन्नति का लाभ मिल रहा है, जबकि स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक इससे वंचित हैं।

शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने कहा कि जनजातीय कार्य विभाग में पिछले कुछ महीनों में सहायक शिक्षक से उच्च श्रेणी शिक्षक और उच्च श्रेणी शिक्षक से व्याख्याता के पद पर पदोन्नतियां की जा चुकी हैं। इसके विपरीत, स्कूल शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षक, सहायक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक और उच्च श्रेणी शिक्षक की पदोन्नति प्रक्रिया अब भी लंबित है।

संगठन का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद स्कूल शिक्षा विभाग में पदोन्नति के आदेश जारी नहीं होना चिंता का विषय है। एक ही प्रदेश में कार्यरत शिक्षकों के लिए पदोन्नति की अलग-अलग स्थिति होने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। संगठन ने सवाल उठाया कि जब दोनों विभागों में शिक्षकों की योग्यता और सेवा शर्तें समान हैं, तो पदोन्नति के अवसरों में अंतर क्यों है। उपेन्द्र कौशल ने कहा कि करीब दो साल पहले उच्च पद का प्रभार संभालने वाले शिक्षकों को भी अब तक नियमित पदोन्नति के आदेश नहीं मिले हैं। लंबे समय से उच्च पद का दायित्व निभाने के बावजूद नियमित पदोन्नति का लाभ नहीं मिलना शिक्षकों के सेवा हितों से जुड़ा मुद्दा है।

शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश ने शासन और स्कूल शिक्षा विभाग से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की है। संगठन ने कहा कि पात्र शिक्षकों को नियमानुसार पदोन्नति का लाभ दिया जाए और उच्च पद का प्रभार संभाल रहे पात्र शिक्षकों के मामलों का भी जल्द निराकरण किया जाए। संगठन के अनुसार, लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने के लिए शासन को स्पष्ट समय-सीमा तय करनी चाहिए, ताकि पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिल सके।

चांपा में धूमधाम से निकली महाराजा अग्रसेन जयंती की भव्य शोभायात्रा, गाजे-बाजे और कर्मा नृत्य ने बांधा समां



चांपा। महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के अवसर पर रविवार, 11 अक्टूबर को चांपा नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे, ढोल-ताशे और पारंपरिक कर्मा नृत्य की थाप के बीच निकली इस शोभायात्रा में अग्रवाल समाज के महिला, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक इस आयोजन में सहभागिता निभाई। यह शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी जहां जगह-जगह स्वागत और प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। जानकारी अनुसार अग्रवाल सेवा संघ, चांपा द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में पिछले सात से आठ दिनों से विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा था। वहीं प्रतियोगिताओं में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रविवार रात आयोजित होने वाले मुख्य जयंती समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों के हाथों सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की आरती के साथ शुरू हुई।हर वर्ष की परंपरागत इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेन जी की आरती कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। नगर के हृदय स्थल ओम सिटी से प्रारंभ हुई यह शोभायात्रा लायंस चौक, परशुराम चौक, थाना चौक, रानी रोड, देवांगन मोहल्ला, कदम चौक, समलेश्वरी मंदिर, सदर बाजार, राधा-कृष्ण मंदिर, डोंगाघाट चौक, बजरंग टॉकीज और मोदी चौक सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए रामबांधा स्थित सभा स्थल पहुंची।शोभायात्रा में पारंपरिक लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। शोभायात्रा में समिति की ओर से महिला एवं पुरुषों के लिए पगड़ी पहनने की व्यवस्था भी की गई थी, जिससे पारंपरिक वेशभूषा और सामाजिक एकजुटता का सुंदर दृश्य देखने को मिला।शोभायात्रा का नगर में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक बंधुओं और परिवारों द्वारा स्वागत किया गया। लायंस चौक सहित अन्य स्थानों पर स्वागत की व्यवस्था की गई। मारवाड़ी युवा मंच द्वारा थाना चौक पर, मोदी परिवार द्वारा कदम चौक पर, जोखीराम बिरदीचंद परिवार द्वारा सदर बाजार में तथा गोयल परिवार द्वारा बजरंग टॉकीज के पास शोभायात्रा का स्वागत किया गया।इस दौरान श्रद्धालुओं और शोभायात्रा में शामिल लोगों को शीतल पेय, शरबत, चॉकलेट, बिस्किट, आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक वितरित किए गए। वहीं, आम नागरिकों के बीच बूंदी के लड्डू, ड्राई फ्रूट्स और केले का प्रसाद भी बांटा गया। स्वागत और प्रसाद वितरण के माध्यम से नगर में सामाजिक सद्भाव एवं सेवा भावना का संदेश देखने को मिला। इस आयोजन में अग्रवाल सेवा संघ के पदाधिकारी सहित समाज के बड़ी संख्या में सदस्य शामिल हुए।शोभायात्रा के बाद रविवार रात रामबांधा स्थित सभा स्थल पर महाराजा अग्रसेन जयंती का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा।

ग्राम आमासेल में माता रानी की भक्ति में डूबे श्रद्धालु, गांव में बना भक्तिमय माहौल



आमासेल/खिड़कियां (हरदा)। हरदा जिले की तहसील खिड़कियां अंतर्गत ग्राम आमासेल में माता रानी के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था देखने को मिल रही है। माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह बना हुआ है। गांव में धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालु माता रानी के चरणों में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और क्षेत्र की उन्नति की कामना कर रहे हैं। माता रानी की आराधना भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ग्रामीण क्षेत्रों में देवी-देवताओं के प्रति लोगों की गहरी आस्था देखने को मिलती है। ग्राम आमासेल में भी माता रानी के प्रति श्रद्धालुओं की श्रद्धा और विश्वास धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए हुए हैं। श्रद्धालु माता रानी का स्मरण कर अपने परिवार और गांव की सुख-शांति की प्रार्थना करते हैं। धार्मिक आयोजनों से ग्रामीणों में आपसी सद्भाव, एकता और भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है। माता रानी के जयकारों और भक्ति भाव से गांव का वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आता है।

माता रानी के प्रति आस्था बनी श्रद्धालुओं की शक्ति :- श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से की गई पूजा-अर्चना और प्रार्थना से मन को शांति मिलती है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी आस्था के साथ भक्त माता रानी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। ग्राम आमासेल में माता रानी से जुड़ी धार्मिक गतिविधियां क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपराओं और जनआस्था को दर्शाती हैं। माता रानी के प्रति श्रद्धा और भक्ति का यह भाव ग्रामीण जीवन में धर्म और संस्कृति के महत्व को उजागर करता है।

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने राजेंद्र सिंह को दी बड़ी जिम्मेदारी संभाग अध्यक्ष की कमान सौंपी



मैहर। किसानो के हित अधिकार एवम समस्याओ के लिए लम्बे समय से आवाज उठाने व संघर्षशील मैहर जिले के किसान नेता राजेन्द्र सिह को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक मे बड़ी जिम्मेदारी दी गई है भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक मे निष्ठा लगन ईमानदारी से कार्य करने एवम किसानो मे सेवाभाव को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र सिंह की अनुशंसा पर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक मे रीवा सम्भाग के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है यूनियन से जुड़े किसानो व पदाधिकारीयो ने स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इनके अनुभव व संघर्षशील नेतृत्व मे किसानो की समस्याओ को रीवा सम्भाग स्तर पर मजबूती से उठाया जा सकेगा किसानो की समस्याओ एवम उनके हक अधिकार के लिए हमेशा संघर्षशील रहे राजेन्द्र सिह की पहचान एक ईमानदार किसान नेता की रही है जिन्होने लगभग 22 बर्ष से यूनियन के कार्यकर्ता एवम पदाधिकारी के रूप मे युनियन के किसान आन्दोलनो मे सक्रिय भूमिका निभाई राजेन्द्र सिह ने अपनी नियुक्त पर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश सिह कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र सिंह संगठन मंत्री द्वारिका तिवारी प्रवक्ता दिलीप सिंह मीडिया प्रभारी मुकेश कुशवाह एवम सभी पदाधिकारीयो का आभार व्यक्त करते हुये भरोसा दिलाया है कि युनियन मे तन मन धन एवम पूरी लगन निष्ठा ईमानदारी से कार्य करूगा संगठन को मजबूत करते हुए पूरी मजबूती से किसानो की समस्याओ को शासन प्रसाशन स्तर पर उठाने का कार्य करूगा आगामी 29अक्टूबर को रितुराज पार्क रीवा की बैठक मे सम्भाग स्तरीय कार्य कारिणी कमेटी का गठन किया जाएगा

रायसेन वृत्त के विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु आज 13 अक्टूबर को आयोजित होगी बैठक

रायसेन। मप्र विद्युत नियामक आयोग पुनर्रीक्षण द्वितीय विनियम 2021 के तहत विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम वृत्त सक्रिय भूमिका निभाई राजेन्द्र सिह ने अपनी नियुक्त पर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश सिह कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र सिंह संगठन मंत्री द्वारिका तिवारी प्रवक्ता दिलीप सिंह मीडिया प्रभारी मुकेश कुशवाह एवम सभी पदाधिकारीयो का आभार व्यक्त करते हुये भरोसा दिलाया है कि युनियन मे तन मन धन एवम पूरी लगन निष्ठा ईमानदारी से कार्य करूगा संगठन को मजबूत करते हुए पूरी मजबूती से किसानो की समस्याओ को शासन प्रसाशन स्तर पर उठाने का कार्य करूगा आगामी 29अक्टूबर को रितुराज पार्क रीवा की बैठक मे सम्भाग स्तरीय कार्य कारिणी कमेटी का गठन किया जाएगा

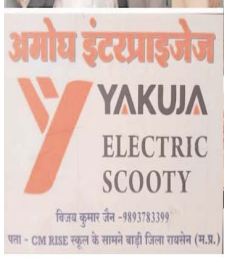
अजा बस्ती में जाम नालियों की वजह से मार्ग पर पसरा गंदा पानी व कीचड़, रहवासी हो रहे परेशान, जिम्मेदार नहीं दे ध्यान



खेड़ाखजूरिया। गांव की अजा बस्ती की गलियो में इन दिनों गंदा पानी कीचड़ पसरा हुआ है । जिसके कारण रहवासी व आमजन आए दिन परेशान हो रहे हैं । रहवासियों ने कई बार ग्राम पंचायत व संबंधित अधिकारियों इस ओर ध्यान देते हुए गंदा पानी व कीचड़ की समस्या से निजात दिलाने की मांग की परंतु अभी तक नालियों की सफाई नहीं हो पाई है । जिसके कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। नाली चौक होने के कारण घरों से निकलने वाला गंदा पानी पूरे मार्ग पर फैल जाता ओर मार्ग पर सीसी रोड उखड़ने के कारण कीचड़ भी पसरा हुआ है। ग्राम पंचायत जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते बस्तीवासियों को गंदे पानी व कीचड़ की परेशानियों का सामना करते हुए रहना पड़ रहा है । समस्या से त्रस्त बस्ती वासियों ने संबंधित अधिकारियों से इस ध्यान देते हुए उक्त समस्या का समाधान करवाने की मांग की है ।

बाड़ी में याकूजा इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का शुभारंभ





बाड़ी, जिला रायसेन । दिन प्रतिदिन बढ़ती पेट्रोल की कीमतों के बीच बाड़ी एवं क्षेत्र वासियों के लिए राहत भरी खबर है। सी एम राइज स्कूल के सामने स्थित अमोघ इंटरप्राइजेज पर याकूजा इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम का शुभारंभ हो गया है। यहाँ पर याकूजा स्कूटी के सभी नए मॉडल उपलब्ध हैं। स्कूटी का माइलेज, एक बार फुल चार्ज में 55 किलोमीटर से 85 किलोमीटर तक है स्कूटी की कीमत मात्र 40,000 रुपये से 65,000 रुपये तक निर्धारित है।इन स्कूटी में खर्चा जीरो ही है न पेट्रोल, न इंजन ऑयल की आवश्यकता होती है प्रदूषण से भी मुक्ति मिलती है। कुछ ही दिनों में कंपनी की बड़ी बैटरी वाली स्कूटी भी आने वाली है, जिससे और भी लंबा सफर तय किया जा सकेगा। इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम संचालक विजय कुमार जैन ने बताया कि ये स्कूटी खासकर छात्रों, महिलाओं और किसान भाइयों को ध्यान में रख कर बनाई गई है। बाड़ी, बरेली बकतरा जैसे रोज के कामों के लिए सबसे सस्ता और टिकाऊ साधन है।टेस्ट ड्राइव और बुकिंग के लिए संपर्क कर सकते हैं।अमोघ इंटरप्राइजेज, सी एम राइज स्कूल के सामने, बाड़ी

4 करोड़ 63 लाख के गांजा तस्करी कांड का फरार मास्टरमाइंड राजस्थान से गिरफ्तार

927.645 किलो गांजा तस्करी मामले में चिल्फी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कंटेनर के गुप्त चेंबर से मिला था नशे का जखीरा; आरोपी न्यायिक रिमांड पर



कबीरधाम। करोड़ों रुपये के गांजा तस्करी प्रकरण में कबीरधाम पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 4 करोड़ 63 लाख रुपये कीमत के 927.645 किलोग्राम गांजा तस्करी मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी घनश्याम गुर्जर को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई को चिल्फी पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

कंटेनर के गुप्त चेंबर से मिला था गांजा :- मामला 24 फरवरी 2026 का है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कंटेनर में भारी मात्रा में गांजा छिपाकर परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना चिल्फी पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 पर नाकाबंदी कर संदिग्ध कंटेनर की तलाशी ली। इस दौरान कंटेनर के अंदर बनाए गए गुप्त चेंबर से 890 पैकेटों में छिपाकर रखा गया कुल 927.645 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत 4 करोड़ 63 लाख रुपये बताई गई, जबकि गांजा परिवहन में प्रयुक्त करीब 30 लाख रुपये कीमत का कंटेनर भी जब्त किया गया। मामले में अपराध क्रमांक 07/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(द्वद्व)(सी) एवं 29 के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

लगातार तलाश के बाद राजस्थान में दबोचा गया आरोपी :- विवेचना के दौरान पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर राजस्थान निवासी घनश्याम गुर्जर की कथित संलिप्तता सामने आई। घटना के बाद से आरोपी फरार था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार पतासाजी कर रही थी। तकनीकी सहायता और पुलिस टीम के प्रयासों के बाद 9 अक्टूबर 2026 को आरोपी को राजस्थान के कोटपुतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ सदर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

न्यायिक रिमांड पर भेजा गया :- आरोपी को नियमानुसार ट्रांजिट रिमांड पर कबीरधाम लाया गया। थाना चिल्फी पुलिस और ए.एन.टी.एफ. टीम ने पूछताछ कर आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की। 12 अक्टूबर 2026 को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। मामले में आगे की विवेचना जारी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी प्रशांत देवांगन के पर्यवेक्षण में की गई। कार्रवाई में चिल्फी पुलिस, साइबर थाना और ए.एन.टी.एफ. टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अस्पताल में टिटनेस इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने, मरीजों को होने वाली परेशानी और संबंधित अधिकारियों के बयानों को शामिल किया गया है

सिराली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टिटनेस इंजेक्शन की कमी, मरीजों को खुद खरीदकर लाना पड़ रहा इंजेक्शन

दो साल से इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने का दावा, स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर उठे सवाल



सिराली, जिला हरदा। हरदा जिले की तहसील सिराली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को इलाज कराने के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में टिटनेस का इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को स्वयं बाहर से इंजेक्शन खरीदकर लाना पड़ रहा है। ऐसे में सरकारी अस्पताल में इलाज कराने पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों को अतिरिक्त परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस स्थिति को लेकर स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अस्पताल में इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने से मरीज परेशान :- प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिराली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराने आने वाले मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर टिटनेस का इंजेक्शन अस्पताल से नहीं मिल पा रहा है। मरीजों को इंजेक्शन के लिए बाहर जाना पड़ता है और उसे खरीदकर अस्पताल लाना पड़ता है। इससे मरीजों को होने वाली असुविधा के साथ-साथ सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

विशेष रूप से चोट लगने या अन्य ऐसी परिस्थितियों में जब चिकित्सक टिटनेस से बचाव के लिए इंजेक्शन लगाने की सलाह देते हैं, तब मरीजों को समय पर सुविधा मिलना आवश्यक होता है। ऐसे में अस्पताल में इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

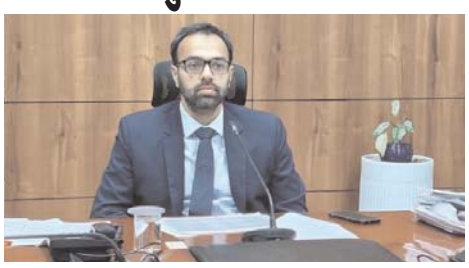
सीएचएमओ हरदा से चर्चा, अस्पताल की जिम्मेदारी बताई :- इस मामले में हरदा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचएमओ) से फोन पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि इंजेक्शन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी अस्पताल की है। अस्पताल प्रबंधन को या तो इंजेक्शन अपने यहां उपलब्ध रखना चाहिए या फिर आवश्यकता पड़ने पर उसी समय उसकी व्यवस्था करनी चाहिए। मरीज को स्वयं इंजेक्शन लेकर आने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए।

सीएचएमओ के इस कथन के बाद अब सवाल यह उठता है कि यदि इंजेक्शन की व्यवस्था करना अस्पताल की जिम्मेदारी है, तो सिराली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को इसे बाहर से खरीदकर क्यों लाना पड़ रहा है? इस स्थिति की जिम्मेदारी तय करने और व्यवस्था में सुधार करने की आवश्यकता है।

डॉ. रामकृष्ण चौधरी ने बताई दो साल से इंजेक्शन नहीं होने की बात :- इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिराली के डॉ. रामकृष्ण चौधरी से भी फोन के माध्यम से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि अस्पताल में पिछले दो वर्षों से टिटनेस का इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को मिलेंगे राज्य स्तरीय पुरस्कार : अखिल पिलानी

पुरस्कारों के लिए 5 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित, विभिन्न श्रेणियों में 5 लाख रुपये तक की पुरस्कार राशि दी जाएगी



नूंह। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। इन पुरस्कारों के लिए पात्र महिलाएं महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा की आधिकारिक वेबसाइट https://onlinemis.wcdhry.gov.in/gaurav/ के माध्यम से 5 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। उपायुक्त ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को मान्यता देना तथा समाज में महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि पुरस्कारों के तहत श्रीमती सुषमा स्वराज अवार्ड के लिए 5 लाख रुपये, इंदिरा गांधी महिला शक्ति अवार्ड के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये, कल्पना चावला शौर्य अवार्ड के लिए 1 लाख रुपये, बहन शन्नो देवी पंचायती राज अवार्ड के लिए 1 लाख रुपये तथा लाइफ टाइम अचीवर्स अवार्ड के लिए 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त सरकारी कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं महिला उद्यमी श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को 21 हजार रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त अखिल पिलानी ने पात्र महिलाओं से निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करने का आह्वान किया, ताकि उनके आवेदन निर्धारित प्रक्रिया के तहत विचारार्थ लिए जा सकें।

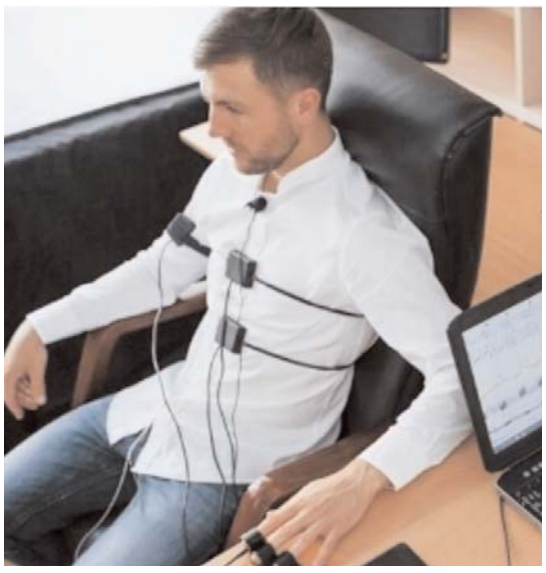
सम्पादक की कलम से

ट्रंप के भ्रम

इसमें दो राय नहीं कि कथित रूप से विश्व की महाशक्ति कहलाने वाले अमेरिका के भ्रम भी बड़े हैं। 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' की तर्ज पर दुनिया को हांकने वाले ट्रंप द्वारा रूसी डीजल खरीदने के निर्णय ने अमेरिका को एक बार फिर दुनिया में बेनकाब किया है। यह विडंबना है कि रूसी तेल खरीदने पर ट्रंप ने भारत पर पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया था। अब वही ट्रंप जब घरेलू राजनीति की मुश्किलों में घिरे तो उन्होंने यूक्रेन युद्ध की तमाम नैतिक दलीलें ताक पर रख अब रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिया। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि पिछले दिनों ट्रंप ने एक ऐसे कानून को मंजूरी दी थी, जिसमें भारत व चीन के रूस से कच्चा तेल खरीदने पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने का प्रावधान था। ये अमेरिका के दोहरे चरित्र को ही उजागर करता है। यह सर्वविदित है कि अमेरिका की तमाम नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर खत्म हो जाती हैं।' 'पल में तोला, पल में माशा' वाले ट्रंप के बयानों पर विश्वास करना मुश्किल होता है। कब वे अपनी पहली बात से मुकर जाएं, कहना कठिन है। उनके भ्रामक बयानों ने पूरी दुनिया में अमेरिका की विश्वसनीयता को रसातल में पहुंचा दिया है। ट्रंप पहले दलील देते रहे हैं कि रूस से पेट्रोलियम पदार्थों को खरीदने का मतलब है कि यूक्रेनियों के संहार के लिये संसाधन उपलब्ध कराना। अब जब अमेरिका रूस से डीजल खरीदेगा तो क्या उससे रूस की आक्रामकता को बढ़ावा नहीं मिलेगा? लगातार यूक्रेन के समर्थन में बयानबाजी करने वाले ट्रंप ने अब डीजल खरीदने के लिये ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर बड़ा हमला बोला है। अब वे उन्हें शांति के रास्ते में बाधक बता रहे हैं। ट्रंप ने यहां तक कह दिया है कि अब यूक्रेन को अपना राष्ट्रपति बदल लेना चाहिए। उनके इस बयान से दुनिया व नाटो में खलबली मच गई है। यानी ट्रंप अमेरिकी डीजल जरूरतों के लिये यूक्रेन पर युद्ध खत्म कराने के लिये दबाव बना रहे हैं। दरअसल, ट्रंप की रूस से तेल खरीदने की नीति में आए बदलाव की असली वजह अगले माह अमेरिका में होने वाले चुनाव हैं। अमेरिका में डीजल के दामों में आई तेजी से जनाधार उनके खिलाफ हो रहा है। ईरान से जारी युद्ध के चलते पूरी दुनिया में कच्चे तेल की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत ही नहीं, तमाम यूरोपीय देश भी इस संकट से जूझ रहे हैं। लेकिन ट्रंप को सिर्फ अपने देश में होने वाले मध्यावधि चुनाव में जीत हासिल करने की चिंता है। उनकी लोकप्रियता का ग्राफ अमेरिका में तेजी से गिरा है। आखिर भारत जैसे देश भी वैश्विक तेल संकट में ऐसी ही परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। ईरान संकट के चलते पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सवाल यह है कि फिर कोई संप्रभु राष्ट्र अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिये रूस या अपनी सुविधा के देश से कच्चा तेल क्यों न खरीदे? आखिर तेल खरीद को लेकर अमेरिका के लिये अलग और अन्य देशों के लिये अलग मापदंड क्यों बनाये जा रहे हैं? आखिर भारत व चीन आदि की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है? जाहिरा तौर पर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि का दबाव भारत के लिये भी उतना ही है।

न्याय के तराजू पर मशीनों की लाचारी

न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए हमें फॉरेंसिक मनोविज्ञान और 'व्यवहार विश्लेषण' पर अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। जब जांच में मशीनी डेटा के साथ अनुभवी मनोवैज्ञानिक का विवेक जुड़ता है, तभी परिणाम अधिक विश्वसनीय, तर्कसंगत और मानवीय होते हैं। हाल ही में चर्चित हस्तियों और मीडिया जगत में 'नार्को टेस्ट' की मांग को लेकर छिड़ी बहस ने तकनीक की विश्वसनीयता पर फिर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। रौशन आनंद द्वारा खान सर (उर्फ फैजल खान) के संदर्भ में की गई नार्को टेस्ट की मांग, जन-मानस के उस भ्रम को दर्शाती है कि तकनीक ही अपराध का अंतिम समाधान है। लेकिन, न्याय के तराजू पर क्या मशीनें वास्तव में मानवीय सत्य को तोलने में सक्षम हैं?



हाल के वर्षों में निचली अदालतों ने हाई-प्रोफाइल मामलों में पॉलीग्राफ टेस्ट की अनुमति देने में अत्यधिक सावधानी बरती है, जिसमें 'श्रद्धा वाकर हत्याकांड' भी चर्चा का विषय रहा। कानूनी जानकारों और अदालतों का स्पष्ट मत है कि पॉलीग्राफ से प्राप्त मशीनी डेटा 'साक्ष्य' नहीं, बल्कि केवल जांच को दिशा देने वाली 'सहायक सामग्री' है। भारत के 'आरुषि तलवार हत्याकांड' ने यह सिद्ध किया कि ऐसे परीक्षण वैज्ञानिक रूप से निर्णायक नहीं होते और इनके विरोधाभासी परिणाम जांच की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा सकते हैं। सच कड़वा होता है, लेकिन झूठ का नकाब ओढ़ना आसान है। अक्सर 'पॉलीग्राफ' को झूठ पकड़ने का अचूक हथियार माना जाता है, जबकि कानून और मनोविज्ञान के नजरिए से यह अत्यंत विवादास्पद है। मनोविज्ञान के अनुसार झूठ पकड़ना विज्ञान नहीं बल्कि एक कला है; फिल्मों में पसीना आना या नज़रें चुराना झूठ की निशानी माना जाता है, पर असल जीवन में यह घातक हो सकता है। मनोविज्ञान में इसे 'ओथेलो एरर' कहा जाता है - जहां एक निर्दोष व्यक्ति का स्वाभाविक डर, पसीना आना या घबराहट जांचकर्ताओं को 'झूठ' का प्रमाण प्रतीत होता है। याद रहे, मशीनें केवल शारीरिक तनाव को मापती हैं, मानवीय संवेदनाओं या सत्य को नहीं। 'कॉग्निटिव लोड' की पहचान केवल एक प्रशिक्षित विशेषज्ञ का काम है, किसी जादुई मशीन का नहीं। ठीक यही स्थिति पूछताछ के दौरान होती है; एक निर्दोष व्यक्ति भी पुलिस के माहौल, पूछताछ के दबाव या अपनी प्रतिष्ठा खोने के डर से घबरा सकता है, पसीना छोड़ सकता है या उसकी हृदय गति बढ़ सकती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में एल्ड्रिच एम्स (सीआईए अधिकारी एवं सोवियत जासूस) और 'बीटीके किलर' (डेनिस राडर) जैसे मामले यह स्पष्ट करते हैं कि पॉलीग्राफ परीक्षण पूरी तरह विश्वसनीय नहीं हैं। एल्ड्रिच एम्स जैसे जासूसों ने तनाव नियंत्रित कर पॉलीग्राफ को वर्षों तक छला, जबकि बीटीके किलर जैसे अपराधियों को डीएनए और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे ठोस साक्ष्यों ने ही बेनकाब किया। स्पष्ट है कि पॉलीग्राफ केवल एक 'संभावना' जता सकता है, निश्चितता नहीं। प्रशिक्षित अपराधी अपनी शारीरिक प्रतिक्रियाओं पर काबू पाकर इन मशीनों को आसानी से विफल कर सकते हैं, अत: ये तकनीकें कभी भी सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हो सकतीं।

सेल्वी बनाम कर्नाटक राज्य (2010) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पॉलीग्राफ, नार्को-एनालिसिस और ब्रेन मैपिंग जैसे परीक्षण व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किए जा सकते। कोर्ट ने इसे निजता के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत प्राप्त 'आत्म-दोषारोपण के विरुद्ध अधिकार' का उल्लंघन माना है। इस मौलिक अधिकार का अर्थ है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध गवाह बनने या खुद को दोषी ठहराने वाले बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कानूनन इन परीक्षणों के परिणाम सीधे 'साक्ष्य' नहीं माने जा सकते; इन्हें केवल जांच में दिशा देने वाले एक 'सुराग' के रूप में ही इस्तेमाल किया जा सकता है; विशेषकर डिजिटल युग में, जहां व्यक्तिगत डेटा और मस्तिष्क की निजता पर बड़ा संकट है, नार्को-एनालिसिस जैसे परीक्षणों को विज्ञान की आड़ में अनैतिक प्रयोग बनने से रोकना, न्यायपालिका की सर्वोपरि जिम्मेदारी है।

कनाडा के सुप्रीम कोर्ट ने इसे भ्रमित करने वाला मानकर खारिज किया है, तो इस्राइल में इसे दीवानी मामलों में अमान्य करार दिया गया है। यूरोप में इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन माना जाता है, जबकि अमेरिका और जापान जैसे देशों में इसकी भूमिका बेहद सीमित है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इन परीक्षणों में वैधता का अभाव है, जिसके कारण इन्हें अक्सर 'छद्म विज्ञान' की श्रेणी में रखा जाता है।

पॉलीग्राफ मशीनों की बड़ी सीमा यह है कि वे 'सच' नहीं, केवल हृदय गति जैसे 'शारीरिक तनाव' को मापती हैं, जिसका कारण घबराहट या पुरानी यादें भी हो सकती हैं। यह एक 'फॉल्ट डिटेक्टर' है, न कि 'ट्रुथ डिटेक्टर', क्योंकि प्रशिक्षित अपराधी आसानी से अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित कर इसे विफल कर सकते हैं। अत: वैज्ञानिक और कानूनी दृष्टि से ये मशीनें सत्य का अंतिम पैमाना नहीं हैं; इसके विपरीत, एक अनुभवी विशेषज्ञ ही अपराधी के उन सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक संकेतों और व्यावहारिक बारीकियों को पकड़ सकता है, जिन्हें छिपाना लगभग असंभव होता है।

मशीनों पर आंख मूंदकर विश्वास करना न्याय की मूल भावना के लिए खतरनाक है। हालांकि तकनीक जांच में एक उपयोगी 'सहायक' हो सकती है, लेकिन मशीनें मानवीय संवेदनाओं और जटिल परिस्थितियों को समझने में अक्षम हैं, इसलिए उन्हें 'अंतिम निर्णायक' नहीं माना जाना चाहिए। न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए हमें फॉरेंसिक मनोविज्ञान और 'व्यवहार विश्लेषण' पर अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। जब जांच में मशीनी डेटा के साथ अनुभवी मनोवैज्ञानिक का विवेक जुड़ता है, तभी परिणाम अधिक विश्वसनीय, तर्कसंगत और मानवीय होते हैं।

यह समय जांच की मानवीय प्रणाली को उन्नत करने का है। यदि हम न्याय को केवल एक 'अल्गोरिद्म' के हवाले कर देंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब 'तथ्य' तो सुरक्षित रहेंगे, लेकिन 'न्याय' अपनी आत्मा खो देगा। एक मशीन यह तो बता सकती है कि अपराधी का हृदय कब और कितनी तेज़ धड़का, लेकिन केवल एक विवेकपूर्ण मस्तिष्क ही यह तय कर सकता है कि उस धड़कन के पीछे अपराध की ठंडी साजिश थी या मासूमियत का भय।

अशांति के अरमान मगर खोली शांति की दुकान



डोनाल्ड ट्रंप को इस बार भी नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। पुरस्कार किसी और को मिला, मगर नाराज ट्रंप हुए। उनकी दलील है कि दुनिया में शांति का कोई भी काम हो, उसका श्रेय सबसे पहले उन्हें दिया जाये। दुनिया में शांति का बड़ा संकट है। संकट यह नहीं कि शांति नहीं है, संकट यह है कि हर कोई शांति का ठेका लेना चाहता है, बस अपने घर में शांति नहीं चाहता। डोनाल्ड ट्रंप को इस बार भी नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। पुरस्कार किसी और को मिला, मगर नाराज ट्रंप हुए। उनका मानना है कि दुनिया में शांति का कोई भी काम हो, उसका श्रेय सबसे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति को मिलना चाहिए। नोबेल कमेटी ने शायद पुरस्कार देते समय अमेरिका के चुनावी कैलेंडर को नहीं देखा। ट्रंप का दुख समझा जा सकता है।

मगर असली शांति-पुरुष का परिचय पुरस्कार से नहीं, व्यवहार से मिलता है। ट्रंप ने दुनिया को समझाया कि रूस से कच्चा तेल मत खरीदो। रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना है। फिर खबर आई कि प्रतिबंधों में ढील देकर रूसी डीजल मंगाने का फैसला हुआ। अब दुनिया के देश पूछ रहे हैं कि रूस से तेल खरीदना बुरा है या सिर्फ तब बुरा है, जब खरीदने वाला अमेरिका न हो? ट्रंप का उत्तर शायद यह होगा कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में सिद्धांत वही अच्छा है, जो पेट्रोल पंप तक पहुंचते-पहुंचते बदल जाए। आखिर लोकतंत्र में जनता वोट देती है, भू-राजनीतिक व्याख्यान सुनकर टंकी नहीं भरवाती।

उधर पाकिस्तान का भी अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व खिल रहा है। अपना घर आर्थिक संकट, राजनीतिक खींचतान और सुरक्षा की समस्याओं से जूझ रहा है, मगर सऊदी अरब की सुरक्षा का सवाल सामने आते ही विदेश नीति की बांहें चढ़ जाती हैं। यमन के हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच बढ़ते संघर्ष में पाकिस्तानी भूमिका की खबरें आईं, हालांकि पाकिस्तान ने हूतियों पर हमले करने के दावों का खंडन भी किया है। डरना भी है, लड़ते हुए दिखना भी है। वैसे इसे कहते हैं, बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। अपने घर की छत टपक रही हो, मगर पड़ोसी के यहां बारात में छाता लेकर पहुंचना जरूरी है। पाकिस्तान सोचता होगा कि सऊदी अरब की सुरक्षा में योगदान देने से अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पाकिस्तान की जनता पूछती है -हमारी सुरक्षा कब होगी?

दुनिया में हर देश शांति चाहता है, लेकिन अपनी शर्तों पर। पाकिस्तान शांति चाहता है, मगर भारत में उसे आतंक, अशांति चाहिए। फ्रांस के छात्र बेहतर शिक्षा चाहते हैं, मगर कुछ प्रदर्शनकारी उसी स्कूल को नुकसान पहुंचा देते हैं जहां बेहतर भविष्य की नींव पड़नी है।



आस्था

18,300 फुट की ऊंचाई पर बर्फ का पहरा

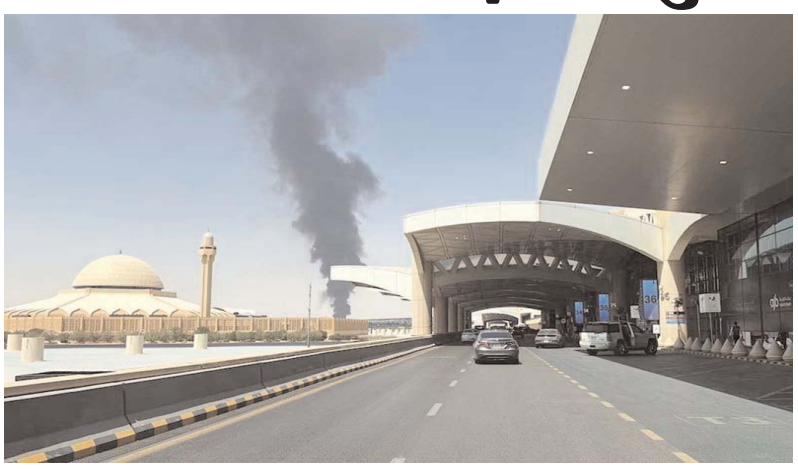
यमन संघर्ष से फिर खाड़ी में युद्ध के बादल

हूती विद्रोहियों द्वारा लगातार सऊदी अरब पर हमले करने से खाड़ी के देशों और पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। अब इस बात की आशंका बढ़ गई है कि क्या यमन में सत्ता की लड़ाई खाड़ी में युद्ध की ज्वाला को भड़का सकती है। खासतौर से तब, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसमें हस्तक्षेप करने की बात कही है। यमन में हूती विद्रोहियों और यमन सरकार के बीच चल रही लड़ाई विस्फोटक कगार पर पहुंच चुकी है। इसने ईरान युद्ध के बाद पश्चिम एशिया को फिर एक नए तनाव में धकेल दिया है। सऊदी अरब के दमम हवाई अड्डे पर भी 11 अक्तूबर को हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है। इससे पहले, शनिवार, 10 अक्तूबर को रियाद हवाई अड्डे पर हूतियों ने हमला बोला था, जिसमें एक भारतीय समेत 13 लोगों की मौत हुई और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए।

इस हमले का दुनिया भर में कड़ा विरोध हुआ है। भारत ने भी इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरब के मुख्य हवाई अड्डे पर हमला किया गया, जो निंदनीय है और किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे हमलों को तुरंत रोकना होगा। एक हफ्ते में रियाद के किंग खालिद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और दमम हवाई अड्डे को मिलाकर सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर ये चौथा हमला है। दुनिया भर के देशों ने इन हमलों की निंदा की है।

हूती विद्रोहियों द्वारा लगातार सऊदी अरब को निशाना बनाकर हमले करने से खाड़ी के देशों और पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। इसके बाद इस बात की आशंका बलवती हो गई है कि क्या यमन में सत्ता की लड़ाई खाड़ी में युद्ध की ज्वाला को भड़का सकती है, खासतौर से तब, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से इसमें हस्तक्षेप करने की बात कही है। ट्रंप ने हूतियों के इन हमलों के खिलाफ सऊदी अरब के साथ उतरने की बात कही है, क्योंकि सऊदी अरब खाड़ी में अमेरिका का सबसे भरोसेमंद दोस्त रहा है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि ईरान इस नए तनाव में अमेरिका का दखल नहीं चाहता और उसने हूतियों तथा सऊदी अरब के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है, ताकि इलाके का मसला इलाके में ही हल हो जाए।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, हूती विद्रोहियों और यमन की सऊदी अरब समर्थित सरकार के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष में अगस्त से अब तक 46 से अधिक नागरिक मारे गए हैं। यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हैंस ग्रुंडबर्ग ने चेतावनी दी है कि यमन में फिर से बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू हो सकता है, जो पूरे इलाके को अशांति में धकेल देगा। हैंस ने जिस बात की ओर इशारा किया है, उसके मूल में यमन के

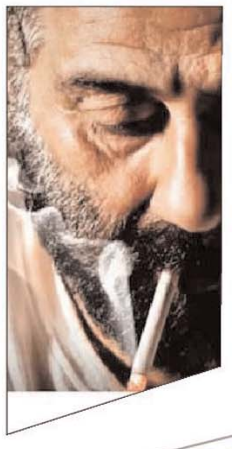


भीतर और बाहर, यानी पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन के लिए चल रहा संघर्ष है। इसी दृष्टिकोण से सऊदी अरब के साथ मिलकर यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच चल रहे संघर्ष को समझा जाना चाहिए।

सऊदी अरब खाड़ी के सबसे बड़े, संपन्न और ताकतवर देशों में से एक है। वह खाड़ी के उन देशों में भी शामिल है, जिनके इस्राइल के साथ कूटनीतिक संबंध न होने के बावजूद उसके प्रति दोस्ताना व्यवहार रहा है। ईरान को सऊदी अरब भी पसंद नहीं करता। हूतियों के हमलों की ओमान, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों ने आलोचना की है।

इस संघर्ष का दूसरा पहलू यह है कि यमन की राजधानी सना, जहां 2014 से हूती विद्रोहियों का कब्जा है, वहां यमन सरकार लगातार हवाई हमले कर रही है। यमन की सरकार ने हूतियों के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा की है, ताकि वह सना पर दोबारा कब्जा हासिल कर सके। राजधानी सना पर ये हमले 2023 में यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच हुए अंतरराष्ट्रीय समझौते का उल्लंघन हैं। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब को इसलिए निशाना बनाया है, क्योंकि वह यमन की सरकार का समर्थन कर रहा है। सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र से हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर हमले हो रहे हैं, जिन्हें हूती अंतर्राष्ट्रीय संधि का उल्लंघन बताते हैं। इस तरह यमन में चल रहे घरेलू सत्ता संघर्ष ने एक अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष का रूप ले लिया है। यमन की स्थिति पेचीदा है। यहां यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच लंबे समय से गृहयुद्ध चल रहा है, जो पिछले कुछ समय से तेज हो गया है। यमन की राजधानी सना सहित उत्तर-पश्चिमी इलाके पर हूती विद्रोहियों का कब्जा है। हूती ईरान के करीबी माने जाते हैं, जबकि यमन की मान्यता प्राप्त सरकार के प्रमुख रशाद अल-अलीमी हैं और सरकार को सऊदी अरब का समर्थन प्राप्त है। इस बीच, हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लड़ाई देश के भीतर इलाकों पर कब्जे तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें सऊदी अरब और लाल सागर के समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा तथा उन पर नियंत्रण का सवाल भी जुड़ गया है। चूंकि सऊदी अरब यमन सरकार को हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने के लिए सैन्य साजो-सामान मुहैया करा रहा है और उसकी मदद कर रहा है, इसलिए हूतियों ने सऊदी अरब को निशाना बनाया है। इस हमले ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई बहस छेड़ दी है। जिस तरह से तमाम देशों ने हूती हमले की निंदा की है, उससे सऊदी अरब की स्थिति मजबूत हुई है। सऊदी अरब पश्चिम एशिया में अमेरिका का दोस्त माना जाता है और ईरान के खिलाफ युद्ध में उसने अपने सैन्य अड्डे अमेरिका के इस्तेमाल के लिए मुहैया कराए थे। खाड़ी के देशों में सऊदी अरब का रुख शुरू से ही बिल्कुल अलग रहा है। यही वजह है कि ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले का मामला हो या फिर इस्राइल के फलस्तीन पर हमले का, इन सभी मामलों में सऊदी अरब की भूमिका अहम रही है। इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान भी एक पक्ष है, जिसने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता कर रखा है। वैसे, हाल के दिनों में सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों की ओर से कई हमले किए गए हैं और इन हमलों में हवाई अड्डे मुख्य निशाना बने हैं। दरअसल, हूती विद्रोही इस बात से खासे नाराज हैं कि सऊदी अरब यमन सरकार की मदद कर रहा है, ताकि यमन की राजधानी सना पर सरकार का कब्जा हो सके। हूतियों का 2014 से यमन की राजधानी सना पर कब्जा है, जिसे वापस लेने के लिए यमन सरकार ने पूरी ताकत लगा रखी है। यमन सरकार को अपनी मदद जारी रखते हुए सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने 9 अक्तूबर को बताया था कि उसने तीन रॉकेट लॉन्च प्लेटफॉर्म नष्ट कर दिए हैं। गठबंधन के मुताबिक, हूती इनका इस्तेमाल क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए कर रहे थे। अब सऊदी अरब ने भी जवाब दिया है कि वह हूतियों के हमलों का जवाब देगा।

इस संघर्ष का एक अहम सिरा ईरान से भी जुड़ा हुआ है। हूती, जिन्हें अंसार अल्लाह यानी 'ईश्वर के समर्थक' कहा जाता है, ने ईरान के समर्थन में अपनी भूमिका निभाई है। उन्होंने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के एक बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। यह जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। यहां हूती विद्रोहियों की बढ़त ने अमेरिका और सऊदी अरब की रणनीति को झटका दिया था। हालांकि, हाल में यमन की सरकारी सेनाओं ने बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास बढ़त हासिल कर ली है। एक बार फिर खाड़ी देशों में संघर्ष और अशांति बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है।



सूर्या का मोशन पोस्टर जारी आक्रामक अंदाज में दिखे सनी

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सनी देओल अपनी अपकमिंग फिल्म 'सूर्याः अंत से आरंभ तक' में एक नए अवतार से दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने सोमवार को फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करके इसकी आधिकारिक घोषणा की। फर्स्ट लुक पोस्टर में वह काफी गंभीर और आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं। मोशन पोस्टर में देखा जा सकता है कि सनी देओल उम्रदराज लग रहे हैं। उनकी दाढ़ी आधी पकी है और आधी काली है। वह सिगरेट पी रहे हैं और उनका लुक आक्रामक है। उन्होंने टी-शर्ट पहनी है। पोस्टर शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा 'अतीत और वर्तमान के बीच उलझा हुआ, वह सच का पता लगाता है! पेश है 'सूर्याः अंत से आरंभ तक'!

लाइफ Style

श्रेया

सीरीज 'सहर होने को है' से कमबैक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पर्दे पर किरदार निभाने वाले कलाकारों को कई बार ऐसे चैलेंज मिलते हैं जो सालों इंडस्ट्री में काम करने के बावजूद अलग और चुनौतीपूर्ण लगते हैं। खासकर अगर वह किरदार ग्रे या नेगेटिव हो तो। कुछ ऐसा ही है गुजराती सिनेमा में काम करने वाली एक्ट्रेस श्रेया दवे का हाल।

'बरसातें: मौसम प्यार का' के बाद दो साल तक वर्टिकल ड्रामा और गुजराती सिनेमा में काम करने के बाद, श्रेया दवे छोटे पर्दे पर लौट आई हैं। अभी वह 'सहर होने को है' में पार्थ समथान के किरदार की सौतेली बहन जीनत का रोल निभा रही हैं। एक्ट्रेस इस बात को लेकर एक्साइटेड हैं कि उनका किरदार कहानी में क्या-क्या मोड़ लाएगा। श्रेया कहती हैं, 'एक एक्टर के तौर पर जीनत का किरदार मेरे लिए इसलिए खास और रोमांचक है क्योंकि वह कहानी में कुछ बहुत ही बदलता है। उसका सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा होगा, जिससे मुझे अलग-अलग शेड्स और कई तरह की भावनाएं दिखाने का मौका मिलेगा। श्रेया ने कहा, 'मेरे लिए यही बात इस रोल को इतना खास बनाती है। जीनत मुझे एक एक्टर के तौर पर बिल्कुल अलग दायरे में ले जा रही है, जिससे मुझे ऐसी भावनाएं दिखाने का मौका मिल रहा है जो मैंने पहले कभी नहीं दिखाईं। यह नया, चैलेंजिंग और बेहद रोमांचक है और मुझे इस किरदार को समझने में बहुत मजा आ रहा है। मैं उसे पॉजिटिव या नेगेटिव का लेबल लगाकर किसी एक दायरे में नहीं बांधना चाहती। इसलिए, मैं यही कहूंगी कि जीनत को इतनी जल्दी जज न करें'।

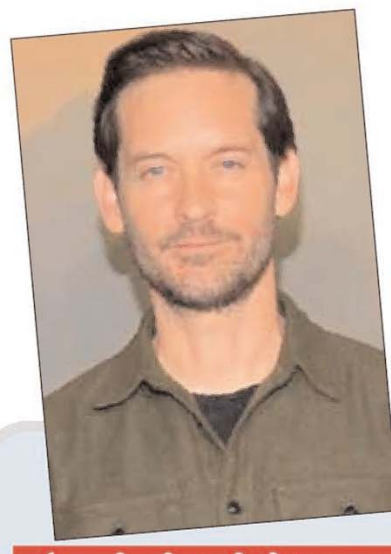


हॉलीवुड मसाला



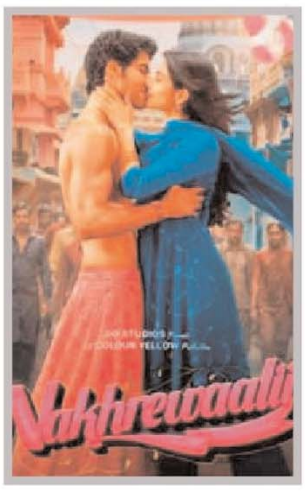
गॉडजिला माइनस... का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। गॉडजिला माइनस जीरो के लेटेस्ट ट्रेलर से कनफर्म होता है कि पिछली फिल्म में गॉडजिला पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ था। इसमें नए 'काइजू' (मॉन्स्टर) को खत्म करने के ऑपरेशन की झलक भी मिलती है और नए व पुराने किरदारों से इंट्रोड्यूस कराया जाता है। ट्रेलर की रिपोर्ट के मुताबिक टोहो ने कनफर्म किया है कि फिल्म में किंग गिडोरा दूसरा मॉन्स्टर होगा। फेस्टिवल प्रीमियर की कवरेज में गॉडजिला और गिडोरा के बीच कई भयानक और खूनी लड़ाइयों का जिक्र है, जो जमीन और आसमान में और भी तेज हो जाती हैं।



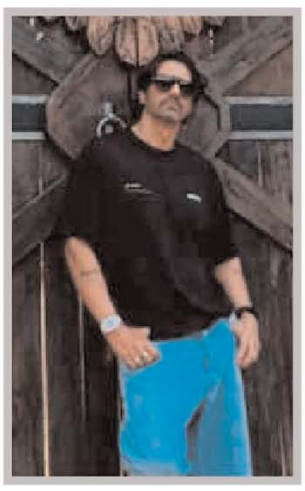
पूर्व पत्नी की शादी में 'स्पाइडर मैन' अभिनेता बने पादरी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की जानी-मानी ज्वेलरी डिजाइनर जेनिफर मेयर और बिजनेसमैन ज्योफ ओगुन्सलेसी की शादी इन दिनों चर्चा में खूब हुई है। इस शादी में सबसे खास बात यह रही कि जेनिफर के एक्स-हसबैंड और 'स्पाइडर-मैन' अभिनेता टोबी मैग्वायर ने ही शादी की रस्में कराईं। पेज सिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिफर मेयर और उनके मंगेतर ज्योफ ओगुन्सलेसी ने पिछले वीकेंड हवाई के फोर सीजन्स रिजॉर्ट लानाई में आउटडोर सेरेमनी में शादी की। खास बात यह है कि यह शादी जेनिफर और टोबी के तलाक के कुछ ही हफ्तों बाद में ही हो गई। 49 साल की जेनिफर ने शादी में स्ट्रैपलेस गाउन पहना था। वहीं, ज्योफ ब्लैक सूट और बो टाई पहने हुए नजर आए। शादी की तस्वीरों में टोबी मैग्वायर फॉर्मल कपड़ों में पादरी बनकर सेरेमनी कराते दिखाई दिए। इस दौरान न्यूली वेड कपल ने फूलों से सजे मंडप के नीचे एक-दूसरे को किस भी किया।



नखरेवाली में दिखेगी रोमांटिक कॉमेडी

मुंबई। 'तेरे इश्क में' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक आनंद एल राय की नई फिल्म 'नखरेवाली' की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। खास बात यह है कि इस बार फिल्म को राहुल शंकल्या ने डायरेक्ट किया है। वहीं, जियो स्टूडियोज, आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा फिल्म के निर्माता हैं। जबकि इसकी कहानी दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'नखरेवाली' 30 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म प्यार, रिश्तों और महिला-पुरुष की भूमिकाओं को एक नए अंदाज में पेश करने का वादा करती है। फिल्म के पोस्टर पर एक टैगलाइन लिखी है, 'कभी-कभी प्यार में मजनू को भी लैला बनना पड़ता है', जो रिश्तों के पारंपरिक तौर-तरीकों में एक मजेदार बदलाव की तरफ इशारा करती है।



अर्जुन नागा की शूटिंग में व्यस्त रामपाल

मुंबई। अभिनेता अर्जुन रामपाल इन दिनों अपनी फिल्म 'अर्जुन नागा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। एक्टर ने फिल्म की बीटीएस तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। इसके साथ निर्देशक अनिल शर्मा ने भी इस भी फिल्म से जुड़ा पोस्ट साझा किया। अर्जुन रामपाल ने सोमवार को अपनी आगामी फिल्म 'अर्जुन नागा' के सेट से एक तस्वीर साझा की। इतना ही नहीं उन्होंने इसके साथ कैप्शन में लिखा, 'पहले दिन की शूटिंग शुरू हो रही है, अनिल शर्मा के निर्देशन में। अर्जुन नागा के लिए हमें अपना आशीर्वाद दें। हम दोनों में उत्कर्ष शर्मा भी हैं। यह एक शानदार सफर होने वाला है।' फिल्म के निर्देशक अनिल शर्मा ने भी फिल्म 'अर्जुन नागा' के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग का एक वीडियो पोस्ट किया।

टीवी मसाला

छह साल बाद अभिनय की दुनिया में लौटने को तैयार

नई दिल्ली। अभिनेत्री बिपाशा बसु लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्टिंग का जादू बिखेरती नजर आएंगी। उनके हाथ एक वेब सीरीज लगी है। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैंस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेठवा भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। सीरीज का नाम अभी तय नहीं है। हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले प्रमलीन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और इंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं। इस सीरीज के जरिए बिपाशा बसु अपनी बेटी देवी के जन्म के बाद लंबे ब्रेक के बाद एक्टिंग में वापसी कर रही हैं।



दो दिन में बिग बॉस से बाहर हुए नकुल

नई दिल्ली। बिग बॉस 20' में हाल ही में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल ढुल की वाइल्ड कार्ड एंट्री हुई थी। मगर उनका सफर घर में एक हफ्ते भी नहीं चल सका। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि उन्हें दो ही दिन में बेघर कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के अनुसार उन्होंने बिग बॉस का एक सख्त नियम तोड़ा है। नकुल ढुल 'बिग बॉस 20' को घर से बेघर कर दिया गया है। एक्स हैंडल 'बिग बॉस तक' के मुताबिक नकुल के घर में दाखिल होने के दूसरे दिन ही उनका एविक्शन हो चुका है। इस रिपोर्ट के मुताबिक नकुल जिन्हें 'मिट्ठू डॉन' के नाम से भी जाना जाता है उनका झगड़ा घर के पुराने प्रतिभागी गुल्लू से हो गया। इसके बाद दोनों में जमकर हाथापाई हो गई। बिग बॉस के मुख्य नियम को तोड़ने के लिए कथित तौर पर नकुल ढुल को बाहर कर दिया गया। इस रिपोर्ट में बताया गया कि नकुल और काजी तौकीर आपस में बात कर रहे थे। इस दौरान काजी, स्काउट का मजाक उड़ाने लगे। यह बात नकुल को पसंद नहीं आई। इसके बाद नकुल और स्काउट की काजी से बहस हो गई। वहां मौजूद गुल्लू ने इस मामले को शांत कराने की कोशिश की तो नकुल नाराज हो गए।

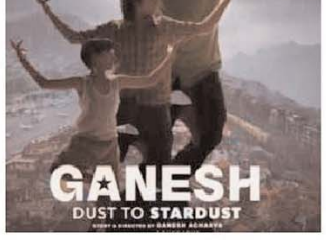
देवराहा बाबा की कहानी बड़े पर्दे पर 'मचान बाबा' का पोस्टर रिलीज

नई दिल्ली। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा और संतों के जीवन से जुड़ी कहानियां इन दिनों सिनेमा में नई जगह बना रही हैं। नीब करौरी बाबा से प्रेरित फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता के बाद अब देश के सबसे रहस्यमयी संतों में गिने जाने वाले देवराहा बाबा की कहानी बड़े पर्दे पर आने जा रही है। फिल्म का नाम 'मचान बाबा' है। मेकर्स ने इसका टाइटल पोस्टर जारी कर दिया है। फिल्म फिलहाल रिसर्च और प्री-प्रोडक्शन के दौर में है और इसे 2027 में रिलीज करने की तैयारी है। देवराहा बाबा की पहचान उनके मचान से जुड़ी थी। वह नदी किनारे जमीन से कई फीट ऊपर बने मचान पर रहते और वहीं से श्रद्धालुओं से मिलते थे। लेकिन उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा रहस्य उनकी उम्र को लेकर रहा। बाबा कितने वर्ष जीवित रहे, इसे लेकर अलग-अलग दावे और जनश्रुतियां मौजूद हैं। लेखक अभिजीत सेन ने भी अपनी पुस्तक में देवराहा बाबा की असाधारण दीर्घायु से जुड़े विभिन्न विवरणों और स्मृतियों की पड़ताल की है। कुछ कथाओं में उनकी आयु 500 वर्ष से भी अधिक होने तक के दावे किए गए हैं, हालांकि इसका कोई सर्वमान्य ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। देवराहा बाबा के बारे में सबसे दिलचस्प बात यह भी है कि उनके साथ अलग-अलग दौर की कई बड़ी राजनीतिक हस्तियों के प्रसंग जुड़े हैं। ब्रिटिश सम्राट जॉर्ज पंचम की 1911 में बाबा से मुलाकात का दावा पुराने विवरणों में मिलता है। 2009 में संसद में हुई चर्चा के दौरान भी इस प्रसंग का उल्लेख किया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की देवराहा बाबा से मुलाकात और उनके आशीर्वाद से जुड़ी कहानी भी काफी चर्चित रही है। इसी तरह 1989 में राम मंदिर शिलान्यास से पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की बाबा से हुई मुलाकात का उल्लेख विभिन्न संस्मरणों में मिलता है।



'गणेशः डस्ट टू स्टारडस्ट' में दिखेगी कोरियोग्राफर की जिंदगी की कहानी

नई दिल्ली। कोरियोग्राफर-फिल्ममेकर गणेश आचार्य ने रविवार को अपनी आने वाली फिल्म 'गणेश डस्ट टू स्टारडस्ट' का ट्रेलर जारी किया। यह एक बायोग्राफिकल ड्रामा है जो एक साधारण शुरुआत से लेकर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने कोरियोग्राफर बनने तक के उनके सफर को दिखाता है। आचार्य द्वारा लिखी और निर्देशित यह फिल्म, सिनेमा की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के उनके सपने को पूरा करने के दौरान किए गए संघर्ष, त्याग और दृढ़ संकल्प की कहानी है। यह फिल्म इंडस्ट्री में उनके आगे बढ़ने के सफर को दिखाती है और उन चुनौतियों को भी उजागर करती है जिनका उन्होंने रास्ते में सामना किया। गणेश आचार्य की जिंदगी पर बनी फिल्म का ट्रेलर काफी दमदार और इमोशनल है। अक्षय कुमार और अजय देवगन ने भी इस ट्रेलर को अपने-अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। ट्रेलर में उनके संघर्ष, मेहनत और सफलता की कहानी को दिखाया गया है। जिसमें कम उम्र में उनके पिता का निधन, आर्थिक तंगी, कम उम्र में कमाई और फिर 12 साल की उम्र में डांस की फील्ड में करियर बनाने की जिद दिखाई गई है। दर्शकों को ट्रेलर काफी पसंद आ रहा है। ट्रेलर कोरियोग्राफर के पर्सनल और प्रोफेशनल सफर की एक झलक दिखाता है, जिसमें डांस और भावुक पल कहानी का अहम हिस्सा हैं। शिवांश सोनी, आलोक शॉ, सुकन्या कलान और साक्षी पावस्कर अभिनीत यह फिल्म 11 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आचार्य ने एक बयान में कहा, 'मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हर किसी को सपने देखने का अधिकार है, लेकिन सिर्फ सपने देखने से वे सच नहीं होते। आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, त्याग करना पड़ता है और आगे बढ़ते रहना पड़ता है, चाहे सफर कितना भी मुश्किल क्यों न हो। 'गणेश डस्ट टू स्टारडस्ट' के जरिए हमने इसी भावना को जीवंत करने की कोशिश की है'।



मनोरंजन के शौकीनों के लिए खास रहेगा यह सप्ताह

ओटीटी पर दस्तक देंगी ये धमाकेदार फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। नए सप्ताह के साथ नई फिल्मों और सीरीज का इंतजार भी शुरू हो जाता है। थिएटर्स में यामी गौतम की नई नवेली और राजकुमार राव की प्रहार आएगी। वहीं, ओटीटी पर भी मनोरंजन की अच्छी डोज मिलने वाली है।

द ट्रैप : यह जर्मन साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज है। छह एपिसोड की लिमिटेड सीरीज 13 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज लेखिका मेलानी राबे के बेस्टसेलिंग उपन्यास पर आधारित है। लेखिका अपनी बहन की हत्या के बाद पिछले 10 वर्षों से घर से बाहर नहीं निकली है। एक दिन उसे टीवी पर एक ऐसा शख्स दिखाई देता है, जिसे देखकर उसे लगता है कि वही उसकी बहन का हत्यारा है। वह सच्चाई सामने लाने के लिए एक जोखिम भरी योजना बनाती है।

कॉफी विद करण सीजन 9 : निर्माता-निर्देशक का चर्चित शो 'कॉफी विद करण' का नौवां सीजन इस वीक रिलीज होगा। यह सीजन आखिरी भी है। यह सेलिब्रिटी टॉक शो है। इसमें करण जौहर इंडस्ट्री के सितारों के साथ दिलचस्प बातें करते हैं और कई अनसुने किस्से बाहर आते हैं। 14 अक्टूबर से 'कॉफी विद करण सीजन 9' को दर्शक जियो हॉटस्टार पर देख सकेंगे।

इंडियन आइडियल लीजेंड्स रिटर्न

चर्चित सिंगिंग रियलिटी शो के पिछले सीजन के मशहूर सिंगर्स इसमें नजर आएंगे जो सिंगिंग मुकाबले में हिस्सा लेंगे। इस शो के जज होंगे हिमेश रेशमिया। वहीं, अभिजीत सावंत, सलमान अली समेत कई पूर्व प्रतियोगी इस शो में नजर आएंगे। इसका प्रीमियर एपिसोड 17 अक्टूबर को आएगा। वहीं, हर शनिवार और रविवार को रात आठ बजे यह शो प्रसारित होगा। इसे सोनी पर देख सकेंगे।

विजन क्वेस्ट : यह मार्वल की सुपरहीरो एक्शन सीरीज है। दर्शक इसे 14 अक्तूबर 2026 से जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। हालांकि, स्पष्ट कर दें कि 14 अक्टूबर को इसका पहला और दूसरा एपिसोड स्ट्रीम होगा। यह सीरीज हिंदी, अंग्रेजी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में उपलब्ध होगी।

रौक्फिश : यह एक डार्क कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है। इसमें क्रिस इवांस, अन्या टेलर-जॉय और सलमा हायेक अहम भूमिकाओं में हैं। इसे 16 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है।

लव इन डिस्गाइज : अगर के-ड्रामा में दिलचस्पी है तो इसे देख सकते हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर ड्रामा है। इम सिवान, सियोल इन आह, किम जंग हून और येनवू अभिनीत 'लव इन डिस्गाइज' 19 अक्टूबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।



17 साल की माया ने तोड़ा सानिया का 22 साल पुराना रिकॉर्ड

माया ने जीता अपना पहला पेशेवर खिताब

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत की उभरती हुई युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पुर्तगाल में डब्ल्यू35 लागोस टूर्नामेंट के रूप में अपना पहला पेशेवर खिताब जीता।

क्वालीफायर के रूप में टूर्नामेंट में भाग लेने वाली माया ने खेले गए फाइनल में स्पेन की सेलिया सेविंनो रुइज को 6-4, 6-2 से हराया। इस जीत से यह 17 वर्षीय खिलाड़ी सानिया मिर्जा के बाद पेशेवर एकल खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। माया ने यूक्रेन की येलीजावेटा कोट्लियार के साथ मिलकर युगल खिताब भी जीता। उन्होंने एकल में एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने पहले दौर में ही शीर्ष वरीयता प्राप्त जस्टिना मिकुलस्काइट को पराजित करके अपने इरादे जतला दिए थे।

यह तो बस शुरुआत है : माया

माया ने टूर्नामेंट जीतने के बाद कहा, 'यह तो बस शुरुआत है। यह मेरा पहला खिताब है। यह मेरे पेशेवर करियर की शुरुआत के लिए अच्छा संकेत है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला है कि मैं अच्छी तरह से चुनौती पेश कर सकती हूं।'

आठ वर्ष की आयु से खेलना किया था शुरू

12 जून 2009 को तमिलनाडु के कोयंबटूर में जन्मीं माया राजेश्वरन रेवती का टेनिस का सफर आठ साल की उम्र में शुरू हुआ था। उनके पिता ने उन्हें पहली बार इस खेल से परिचित कराया। उनका मकसद उनमें अनुशासन और फिटनेस की आदत डालना था। हालांकि जल्द ही माया की इस खेल में गहरी दिलचस्पी हो गई और 10 साल की उम्र तक उन्होंने टेनिस को गंभीरता से अपनाने का फैसला कर लिया। उन्होंने भारत में 'प्रो सर्व टेनिस अकादमी' में ट्रेनिंग ली और 2025 मुंबई ओपन में सबका ध्यान खींचने से पहले कई आईटीएफ जूनियर खिताब जीते। 15 साल की उम्र में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर खेलते हुए उन्होंने डब्ल्यूटीए 125 इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर जाने-माने खिलाड़ियों को चौंका दिया।



वुहान ओपन नहीं खेलेंगीं झेंग और मीरा

बीजिंग। चाइना ओपन फाइनल खेलने के बाद झेंग किनवेन और मीरा आंद्रीवा वुहान ओपन से हट गई हैं। झेंग ने दाहिने कंधे की चोट का हवाला दिया है, जबकि आंद्रीवा ने शेड्यूल में बदलाव के कारण हटने का फैसला किया है। टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए झेंग ने कहा कि लगातार मैचों के बोझ के कारण वह शारीरिक रूप से थक गई हैं। डब्ल्यूटीए के अनुसार, झेंग ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत अफसोस हो रहा है कि मैं इस साल के वुहान ओपन से हट रही हूं। वुहान वह जगह है जहां से मेरे टेनिस के सपने की शुरुआत हुई थी, और वुहान ओपन ही वह टूर्नामेंट है जिससे मैंने डब्ल्यूटीए 1000 लेवल पर अपनी पहचान बनाई थी। मैं हमेशा अपने घरेलू फैंस के सामने खेलने का इंतजार करती रही हूं।



मुंबई इंडियन्स में शामिल हुईं अमेरिकी तेज गेंदबाज नॉरिस

नई दिल्ली। अमेरिका की बाएं हाथ की तेज गेंदबाज तारा नॉरिस अगले साल होने वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में मुंबई इंडियन्स की ओर से खेलेंगी। उन्हें यूपी वारियर्स के साथ सफल 'ट्रेड' सौदे के बाद मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। नॉरिस को वारियर्स ने 2026 सत्र से पहले 10 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि यह 28 वर्षीय तेज गेंदबाज इसी राशि पर मुंबई इंडियन्स से जुड़ेंगी। डब्ल्यूपीएल ने कहा, 'नॉरिस 10 लाख रुपए की मौजूदा राशि पर मुंबई इंडियन्स से जुड़ेंगी। नॉरिस ने डब्ल्यूपीएल की पहली नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी से जुड़ने वाली एसोसिएट देश की पहली खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा था। उन्होंने पहले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया था और डब्ल्यूपीएल में पांच विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनी थीं। नॉरिस ने अमेरिका की ओर से अब तक पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 17 महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्होंने 2021 में अमेरिकी टीम के लिए पदार्पण किया था।

रणजी ट्रॉफी : ऑलराउंडर रवींद्र ने ठोका 16वां फर्स्ट क्लास शतक

पहली पारी में सौराष्ट्र ने बनाए 392 रन

जडेजा की छत्तीसगढ़ के खिलाफ 102 रन की धमाकेदार पारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी के पहले राउंड में शतक बनाया। सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 102 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा का यह 16वां फर्स्ट क्लास शतक रहा। 209 गेंद का सामना किया और 7 चौके लगाए। वे सौराष्ट्र के आखिरी विकेट के तौर पर आउट हुए। इससे उनकी टीम ने पहली पारी में 392 रन का स्कोर बनाया।

जडेजा पांचवें नंबर पर बैटिंग को उतरे थे। उनके व प्रेरक मांकड़ (129) के बीच पांचवें विकेट के लिए 205 रन की पार्टनरशिप हुई। मगर इस साझेदारी के टूटने के साथ ही सौराष्ट्र की पारी ढह गई। उसने आखिरी पांच विकेट 36 रन में गंवा दिए। यह तो एक छोर पर जडेजा थे, जिससे टीम 392 तक पहुंचने में सफल रही नहीं तो 380 से पहले ही पारी सिमट जाती।



रवींद्र का 8 साल बाद सौराष्ट्र के लिए शतक

जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नौवां शतक बनाया। उनके छह शतक भारत और एक वेस्ट जोन के लिए आया है। जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए बनाए 9 में से 3 शतकों को ट्रिपल सेंचुरी तक पहुंचाया है। जडेजा ने इससे पहले 2018-19 में आखिरी बार सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी में शतक बनाया था। तब उन्होंने नाबाद 178 रन की पारी खेली थी। 2018-19 से लेकर 2026-27 के सीजन के बीच जडेजा ने बहुत कम मैच सौराष्ट्र के लिए खेले थे। पिछले सीजन दो मैचों उतरे थे। दरअसल भारतीय टीम के तीनों फॉर्मेट का हिस्सा होने की वजह से वह घरेलू क्रिकेट नहीं खेल पाए थे।

साई फेल, सुंदर ने झटके 2 विकेट

रणजी ट्रॉफी के पहले राउंड में सोमवार को साई सुदर्शन का बल्ला नहीं चला। वह तमिलनाडु के लिए ओपनिंग करने उतरे और 3 रन बनाकर पवेलियन लौटे। चेतन शर्मा ने उन्हें बोल्ड किया। इससे पहले उन्हें फील्डिंग के दौरान घुटने में चोट लगी थी। साई लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए थे। हालांकि, उनकी चोट गंभीर नहीं थी और वह ओपनिंग करने उतरे। तमिलनाडु ने राजस्थान को पहली पारी में 363 रन पर आउट कर दिया। भारतीय टेस्ट टीम के एक अन्य खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर ने 2 विकेट झटके। उन्होंने 23 ओवर में 58 रन देकर 2 विकेट लिए। वाशिंगटन ने कार्तिक शर्मा और चेतन शर्मा को आउट किया।

रिंकू सिंह-माधव कौशिक के शतक



रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए के पहले मैच में यूपी ने बिहार के खिलाफ बेहतरीन आगाज किया है। उत्तरप्रदेश की टीम ने बिहार के खिलाफ मैच की पहली पारी में 540 रन बनाए। ओपनर माधव कौशिक ने 150 रन की पारी खेली। वहीं मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने 112 रन की बेहतरीन पारी खेली। मुकाबले के पहले दिन यूपी की टीम ने 3 विकेट पर 287 रन बनाए थे। दूसरे दिन टीम के लिए आराध्य यादव (84) और जीशान अंसारी (58) ने अच्छी पारियां खेलीं। अंत में अभिनंदन सिंह ने 30 गेंद पर 43 रन बनाते हुए स्कोर 540 रन तक पहुंचा दिया। यूपी ने कुल 153.1 ओवर बल्लेबाजी की। बिहार के गेंदबाजों को टीम ने पूरी तरह थका दिया। बिहार के लिए इस पारी में अमोद यादव ने सर्वाधिक चार विकेट लिए। उन्होंने 29.1 ओवर डालते हुए 6 मेडन के साथ 91 रन दिए और चार सफलताएं हासिल कीं।

रणजी ट्रॉफी में हरियाणा दूसरे दिन मजबूत स्थिति में

अंकित और यशवर्धन दलाल ने जमाए शतक



चौधरी बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मुकाबले के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक हरियाणा की टीम ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। स्टंप्स तक हरियाणा ने अपनी पहली पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 178 रन बना लिए हैं और वह मेहमान टीम के स्कोर से अब केवल 75 रन दूर है। इससे पहले, हिमाचल प्रदेश की पहली पारी 113.4 ओवरों में 253 रन पर सिमट गई। हिमाचल की ओर से मध्यक्रम के बल्लेबाज आकाश वशिष्ट ने संकट मोचन की भूमिका निभाते हुए शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 227 गेंदों का सामना करते हुए 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से नाबाद 113 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान पुखराज मान ने 30 और ऋतिक कालिया ने 28 रनों का योगदान दिया। हरियाणा के लिए घातक गेंदबाजी करते हुए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने 27 ओवरों में 55 रन देकर 4 महत्त्वपूर्ण विकेट झटके। पार्थ वत्स ने 2, जबकि अमन कुमार और सामंत जाखड़ को 1-1 सफलता मिली। जवाब में, हरियाणा की शुरुआत सधी हुई रही। सलामी बल्लेबाज अंकित कुमार ने 7 चौकों की मदद से 59 रनों की शानदार पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर यशवर्धन दलाल 69 रन और ऑलराउंडर पार्थ वत्स 33 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। दोनों बल्लेबाज तीसरे दिन पारी को आगे बढ़ाएंगे। हिमाचल की ओर से गेंदबाजी में आर्यमन सिंह ने शुरुआती झटके देते हुए 3 विकेट अपने नाम किए, जबकि अर्पित गुलेरिया को 1 सफलता मिली। मैच के तीसरे दिन हरियाणा की नजरें पहली पारी में बढ़त हासिल करने पर टिकी होंगी।

खबर संक्षेप



कार्ट रिपब्लिक से जुड़ी 11 वर्षीय रेसर अतिका

सिंगापुर। भारतीय रेसिंग सनसनी अतिका मीर को एफवन ड्राइवरों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कार्ट रिपब्लिक (केआर) टीम ने अनुबंधित किया है। यह इटली के दिग्गज डिनो चिएसा की टीम है, जिन्होंने लुई हैमिल्टन सहित कई फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन के करियर को आगे बढ़ाने में मदद की है। भारत की 11 वर्षीय रेसर अतिका ने यूरोप में कई कार्टिंग सीरीज में अपने प्रदर्शन से चिएसा को प्रभावित किया और उन्होंने अब सत्र के बीच केआर से जुड़ने का फैसला किया है।

पाक ने श्रीलंका को हराकर सीरीज पर किया कब्जा

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर श्रीलंका को 82 रन से करारी शिकस्त दी और इस तरह से तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। माज सदाकत (96) और कप्तान साहिबजादा फरहान (73) दोनों को शुरू में जीवनदान मिले, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने बड़ी पारियां खेलीं। इससे पाकिस्तान तीन विकेट पर 215 रन बनाने में सफल रहा, जो 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए 6 विकेट पर 232 रन के बाद उसका टी20 में दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। श्रीलंका की टीम बड़े लक्ष्य के सामने लड़खड़ा गई और 7 विकेट पर 133 रन ही बना पाई।

वीनू मांकड़ ट्रॉफी: हरियाणा अंडर-19 टीम ने ओडिशा को सात विकेट से दी मात

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

पुदुचेरी के सीएपी ग्राउंड-4 पर खेले गए वीनू मांकड़ ट्रॉफी एलीट ग्रुप के एक रोमांचक मुकाबले में हरियाणा अंडर-19 क्रिकेट टीम ने ओडिशा अंडर-19 को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में अपनी धमाकेदार जीत दर्ज की है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ओडिशा की टीम ने सधी हुई शुरुआत की और 47.4 ओवर में 263 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. ओडिशा की ओर से सुभासिस मल्लिक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 117 गेंदों पर 12 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 114 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इसके अलावा शुभम पलाई ने 58 रनों का अहम योगदान दिया। हरियाणा की तरफ से गेंदबाजी आक्रमण में सिद्धार्थ दलाल, कर्तव्य जगदेव और प्रक्षित राठी ने घातक गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट झटके, जिससे ओडिशा की पारी बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच सकी। 264 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम की शुरुआत भी मजबूत रही। टीम ने 46.3 ओवरों में मात्र 3 विकेट खोकर आसानी से 264 रन बना लिए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान और स्टार बल्लेबाज निधिष गौड़ ने कप्तानी पारी खेलते हुए नाबाद 113 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनका बखूबी साथ निभाते हुए संदीप परिहार ने ताबड़तोड़ 63 रन जोड़े, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इसके अलावा अर्जुन वीर सिंह ने 24 और गौरिश दहिया ने नाबाद 22 रनों का योगदान दिया। ओडिशा के गेंदबाजों में राज यादव और जोगेश्वर बाग को 1-1 सफलता मिली।

कप्तान निधिष का शतक



निधिष गौड़



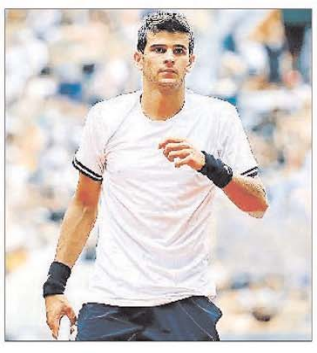
प्रक्षित राठी

शंघाई मास्टर्स : राफेल जोडर ने की जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी

राफेल ने लेहेका के खिलाफ दर्ज की जीत, पहुंचे चौथे राउंड में

एजेंसी ▸▸ शंघाई

शंघाई मास्टर्स 1000 के तीसरे राउंड में राफेल जोडर ने जिरी लेहेका के खिलाफ 4-6, 7-6(2), 6-4 से जीत दर्ज करते हुए चौथे राउंड में जगह बनाई। जोडर ने इस सीजन की अपनी 40वीं जीत हासिल करते हुए अपने पहले एटीपी टूर पर लगातार प्रभावित किया है। 20 वर्षीय खिलाड़ी इस सीजन में किसी एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के चौथे राउंड में पांचवीं बार पहुंचा है। जोडर ने लगातार 5 इवेंट्स में ऐसा किया, जिससे वे 2007 में नोवाक जोकोविच के बाद ऐसा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।



जिरी की सर्विस रही शानदार : जोडर

मैच के बारे में जोडर ने कहा, डटे रहना, यही वह बात है जिस पर उन्हें सबसे ज्यादा गर्व है। आज के हालात में खेलना बहुत मुश्किल था। जिरी ने शुरू से आखिर तक बहुत अच्छा खेला और उनकी सर्विस भी शानदार रही। आज यह मैच जीतने के लिए मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना पड़ा। जोडर भी एटीपी फाइनल्स के दावेदार बन गए हैं। वह अभी 'एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन' में 11वें नंबर पर हैं।

ला लीगा: रेसिंग सैंटेंडर ने 2-2 पर रोका मुकाबला

पहले ही मिनट में गोल, फिर भी जीत से चूका वैलेंसिया

एजेंसी ▸▸ सैंटेंडर

वैलेंसिया सीएफ ने ला लीगा के मैचडे 8 में रियल रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। इस मुकाबले में वैलेंसिया के लिए दानी राबा और डेविड ओटोरबी ने गोल किए। वैलेंसिया ने मैच की शानदार शुरुआत की और मुकाबला शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही बढ़त हासिल कर ली। जेवियर एगुइरे की टीम के लिए दानी राबा ने हाल ही में प्रमोट हुई रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ शुरुआती गोल दागा।

हालांकि, मेजबान टीम ने 32वें मिनट में वापसी की। इनिगो विसेंट ने शानदार मूव बनाते हुए यासिर जबिरी को गोल करने का मौका दिया, जिसे उन्होंने भुनाकर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, वैलेंसिया के युवा सब्स्टीट्यूट डेविड ओटोरबी ने 65वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2-2 से ड्रॉ दिलाया।



घरेलू मैदान में जीता रियल बेटिस

एक अन्य मैच में इस्को ने दो गोल किए और रियल बेटिस ने अपने घरेलू मैदान पर ओसासुना को 5-2 से हराया, जिससे वे ला लीगा में तीसरे स्थान पर पहुंच गए और टॉप पर चल रही बार्सिलोना से पांच अंक पीछे है। ओसासुना के डिफेंडर उनाई जैंटोस के फाउल करने के बाद इस्को ने दसवें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल करके खाता खोला और 31वें मिनट में कुर्वो हनाडिज की मदद से एज अब्दे ने बेटिस की बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफ टाइम के तीन मिनट बाद बेटिस 3-0 से आगे हो गई जब एंटे बुदिमिर का क्लीयरेंस का प्रयास डिएगो लोरेंटे से टकराकर नेट में चला गया, लेकिन बुदिमिर और बेटिस के पूर्व फॉरवर्ड राउल गार्सिया के तेज गोल ने ओसासुना को मुकाबले में वापस ला दिया।

रियल सोसिदाद ने कोरुना की वापसी को किया नाकाम

रियल सोसिदाद ने दूसरे हाफ में डेपोर्टिवो ला कोरुना की जबरदस्त वापसी की कोशिश को नाकाम करते हुए अपने घरेलू मैदान पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि मैच के आखिर में उनके पास दस खिलाड़ी ही बचे थे। टीम को शुरुआती बढ़त जॉन मार्टिन ने दिलाई, जिन्होंने कार्लोस सोलर के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर गोल किया। इसके बाद आरेन जखारियन ने 34वें मिनट में गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। सोसिदाद ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली जब गोंकालो गुएडेस ने हाफवे लाइन से शानदार दौड़ लगाते हुए बाएं पैर से बेहतरीन गोल दागा और स्कोर 3-0 कर दिया। हालांकि, डेपोर्टिवो ने हार नहीं मानी और वापसी की कोशिश जारी रखी।

कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड के सामने नहीं टिकी द. अफ्रीका

डरबन। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला डरबन के मैदान पर जारी है। इस मैच के पहले दिन बैकफुट पर रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बाकी के दोनों दिनों में बढ़त बनाए रखी। साउथ अफ्रीका के सामने ऑस्ट्रेलिया ने पहले तो पहली पारी में 390 रन का मजबूत टोटल बनाया। इसके बाद साउथ अफ्रीकी बैटर्स को उनके घर की पिच पर कमिंस, स्टार्क और जोश हेजलवुड ने टिकने नहीं दिया, जिससे साउथ अफ्रीकी टीम 284 रन ही बना सकी और वह ऑस्ट्रेलिया से पीछे रही। इसके बाद तीसरे दिन के अंत तक ऑस्ट्रेलिया ने बिना विकेट गंवाए 33 रन बना लिए थे और 139 रन की बढ़त हासिल कर ली है। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़ा स्कोर बनाकर साउथ अफ्रीका को हार की तरफ धकेलना चाहेगी।

162 पर साउथ अफ्रीका के गिरे 6 विकेट

डरबन के मैदान पर दूसरे दिन के अंत तक साउथ अफ्रीका ने एक विकेट पर 27 रन बना लिए थे। उसके लिए ऐडन मार्करम 15 रन, तो डेविड बेडिंगहम 112 रन बनाकर नाबाद रहे थे। इन दोनों ने तीसरे दिन पारी को आगे बढ़ाया और साउथ अफ्रीकी टीम 363 रन से पीछे थी। मार्करम और डेविड ने सधी शुरुआत की, लेकिन ज्यादा देर तक वे कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड के कहर को झेल नहीं सके। मार्करम को स्टार्क ने फिर अपने जाल में फंसाया और तीसरे दिन का पहला, जबकि साउथ अफ्रीका का दूसरा विकेट गिरा। मार्करम 67 गेंदों में सात चौकों की मदद से 37 रन बनाकर चलते बने। वहीं, डेविड ने मोर्चा संभाले रखा और 73 गेंदों में 49 रन बनाए।

आदि सेवा केन्द्रों का सतत् रूप से संचालन किया जायें - कलेक्टर

रिफार्म उत्सव अंतर्गत स्वास्थ्य-पोषण सेवा संगम आयोजित करने के निर्देश

श्योपुर। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक को संबोधित करते हुए निर्देश दिये कि जिले में आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत स्थापित सभी 286 आदि सेवा केन्द्रों का संचालन सतत् रूप से सुनिश्चित किया जायें। उन्होंने कहा कि आदि सेवा केन्द्रों के माध्यम से जनजाति बाहुल्य बस्तियों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की पहुंच को सुगम बनाया जायें तथा प्रत्येक मंगलवार को निर्धारित समय में प्रात: 11 बजे से 01 बजे तक आदि सेवा केन्द्र संचालित किये जायें। इस दौरान प्राप्त आवेदनों को पंजीकृत करने तथा



संबंधित विभागों को भेजकर समन्वय कर उन आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही उन्होंने पीएम जनमन योजना अंतर्गत संचालित बहुउद्देशीय केन्द्रों (मल्टीपरपज सेंटर) पर स्वास्थ्य-पोषण संगम आयोजित करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक रिफार्म उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत जनजाति कार्य मंत्रालय द्वारा विशेष अभियान के रूप में पीवीटीजी लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवा, पोषण और आजीविका से जुडे लाभ पहुंचाने के लिए एमपीसी पर स्वास्थ्य-पोषण संगम कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, एसडीएम श्योपुर श्री गगन मीणा, कराहल श्री बीएस श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर श्री शिवलाल शाक्य, श्री विजय शाक्य, श्रीमती मेघा तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने निर्देश दिये कि जिले में संचालित सभी हॉस्टल वार्डन की बैठक आयोजित की जायें तथा छात्रावास एवं आश्रमों के संचालन की समीक्षा सुनिश्चित की जायें। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने-अपने मैदानी अमले की सक्रियता ओर अधिक बढाई जायें तथा मैदानी स्तर की समस्याओं का निराकरण तत्परता से किया जायें।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा इस अवसर पर मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत प्राप्त आवेदनों सहित जिला मुख्यालय एवं उनके द्वारा विभिन्न ग्रामों में की जा रही जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाले आवेदनों के निरकरण की समीक्षा की गई।

जनगणना के द्वितीय चरण पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित



श्योपुर। कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन तथा सीईओ जिला पंचायत एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री कार्तिकेय जायसवाल के निर्देशन में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण एवं जनसंख्या गणना की तैयारियों के संबंध में जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। द्वितीय चरण की जनगणना फरवरी 2027 से शुरू होगी। जिला पंचायत सभाकक्ष श्योपुर में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया, दायित्वों एवं निर्धारित प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य को व्यवस्थित, त्रुटि रहित एवं समय-सीमा में संपन्न कराना है। प्रशिक्षण में अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी श्री व्हीएल राठौर, सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्री राकेश निगम तथा सभी चार्ज अधिकारी एवं चार्ज लिपिक व तकनीकी सहायक उपस्थित हुए।

प्रशिक्षण में जनगणना निदेशालय भोपाल के अधिकारी श्री सत्यप्रकाश एवं श्री भानुप्रताप द्वारा जनगणना अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना के द्वितीय चरण में किए जाने वाले कार्यों, आवश्यक प्रपत्रों के संधारण तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जानकारी संकलित करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही जनसंख्या गणना के दौरान प्रत्येक परिवार एवं व्यक्ति से संबंधित आवश्यक जानकारी सावधानीपूर्वक दर्ज करने तथा आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य के दौरान मैदानी अमले की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कन्या छात्रावास में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



श्योपुर। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह अंतर्गत आज बायपास रोड स्थित कन्या छात्रावास में महिला एवं बालिका सुरक्षा, अधिकारों तथा सशक्तीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधि सह परिवीक्षा अधिकारी श्री बीके गुप्ता, परियोजना अधिकारी श्रीमती हेमलता शर्मा, संरक्षण अधिकारी श्री विष्णुकांत दुबे सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान करते हुए पॉक्सो एक्ट-2013 कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध एवं शिकायत निवारण की प्रक्रिया, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ बालिकाओं के जन्म, संरक्षण, शिक्षा एवं समान अवसरों को बढ़ावा देने के तथा महिला संबंधी कानून में महिलाओं के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, सम्मान, सुरक्षा तथा कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी। इसी प्रकार घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 के अंतर्गत घरेलू हिंसा के विभिन्न स्वरूपों, पीड़ित महिलाओं के अधिकारों तथा उपलब्ध संरक्षण एवं सहायता सेवाओं तथा साइबर सुरक्षा के संबंध में सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी, फर्जी आईडी, साइबर उत्पीड़न, निजी जानकारी एवं फोटो के दुरुपयोग से बचाव तथा साइबर अपराध की शिकायत करने की प्रक्रिया आदि के बारे में अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बालिकाओं को जागरूक, आत्मविश्वासी एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, हिंसा अथवा साइबर अपराध की स्थिति में चुप न रहने तथा उचित माध्यम से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना तथा समाज में बालिकाओं के सम्मान, शिक्षा एवं सशक्तीकरण को प्रोत्साहित करना रहा।

ग्राम अजनोई में 65 घरो में लार्वा सर्वे

श्योपुर। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एसएन बिंदल के निर्देशन में विकासखंड कराहल के ग्राम अजनोई में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मलेरिया नियंत्रण एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य टीम द्वारा 65 घरों में लार्वा सर्वेक्षण किया गया तथा बुखार से पीड़ित मरीजों की जांच के लिए 12 जांच किट तैयार की गईं। मलेरिया नियंत्रण के लिए आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी कार्यवाही नियमानुसार की गई। इस दौरान स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों को मलेरिया एवं मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी।

बालिकाओं को अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति किया जागरूक



श्योपुर। जिले के विभिन्न विद्यालयों में विश्व बालिका दिवस के अवसर पर गत दिवस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसरों तथा समाज में बालिकाओं के सम्मान और महत्व के प्रति जागरूक किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री यश जैन ने बताया कि इस अवसर पर विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बालिका सम्मान, लैंगिक समानता और बालिका संरक्षण से संबंधित शपथ दिलाई गई। साथ ही विश्व बालिका दिवस के इतिहास एवं इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए लिंगानुपात में सुधार, बाल विवाह की रोकथाम, कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा बालिकाओं में कुपोषण की समस्या पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि बालिकाओं को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को बालिकाओं के प्रति भेदभाव समाप्त करने, बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा उनके सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक भविष्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में औद्योगिक अनुभव पर विशेष व्याख्यान आयोजित

विद्यार्थियों को उद्योगों की कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक एवं कौशल विकास की दी गई जानकारी

मुरैना। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, मुरैना में विद्यार्थियों को औद्योगिक कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक एवं रोजगारपरक कौशल से परिचित कराने के उद्देश्य से औद्योगिक अनुभव विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कौशल विकास एवं तकनीकी सहायता केंद्र, ग्वालियर के निदेशक डॉ. वी. किरण कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज कुमार सक्सेना ने की। मुख्य अतिथि डॉ. वी. किरण कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक



दौर में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव और तकनीकी दक्षता भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों का ज्ञान अर्जित करने, निरंतर कौशल उन्नयन करने तथा उद्यमिता के माध्यम से रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा नौकरी प्राप्त करने के साथ-साथ स्वयं का उद्यम स्थापित कर दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करने का प्रयास करें। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक श्री दिलीप गांगिल ने कहा कि औद्योगिक अनुभव विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं, उत्पादन प्रक्रियाओं तथा तकनीकी चुनौतियों को समझने का अवसर प्रदान करता है। इससे उनकी व्यावहारिक समझ और समस्या समाधान की क्षमता विकसित होती है, साथ ही रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं में भी वृद्धि होती है। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज कुमार सक्सेना ने बताया कि शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, मुरैना एवं सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्वालियर के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित किया गया है।

निःशुल्क विधिक सहायता, जेल अपील व नालसा स्मरूहा योजना की दी गई जानकारी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशानुसार सर्किल जेल शिवपुरी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों एवं विधिक कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई शिविर के दौरान उपस्थित बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह, निर्धन व गरीब बंदियों के लिए संचालित विधिक सेवा योजना, बंदियों के संवैधानिक व कानूनी अधिकार, जेल अपील प्रक्रिया, जेल मुलाकात हेल्प डेस्क, अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी तथा नालसा स्मरूहा योजना के संबंध में जागरूक किया गया। अधिकारियों द्वारा बंदियों को बताया गया कि पैरवी हेतु आर्थिक रूप से असमर्थ बंदियों को शासन द्वारा नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनसमस्याओं के निराकरण में तेजी लाएं अधिकारी : कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में रबी फसलों के लिए उर्वरक व्यवस्था तथा मलेरिया-डेंगू की रोकथाम के लिए जलभराव समाप्त करने के निर्देश

मुरैना। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक समय पर पहुंचे और नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो। कलेक्टर श्री जांगिड़ ने आगामी रबी मौसम में सरसों एवं गेहूं की बोवनी को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता और सुचारु वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अमानक खाद एवं बीज का विक्रय करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने



को भी कहा। बैठक में कलेक्टर ने मलेरिया एवं डेंगू जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को समाप्त करने, नालियों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा पानी जमा होने वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए नियमित रूप से आवश्यक गतिविधियां संचालित की जाएं, ताकि नागरिकों को मच्छरजनित बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके। कलेक्टर ने समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का निर्धारित अवधि में निराकरण सुनिश्चित करें। जनहित से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करे। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने तथा शिकायतों की संख्या में कमी लाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन को समय पर शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराना, जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण करना तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जिला अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े ने दिए अधिकारियों को निर्देश

सीएम हेल्पलाइन की 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरण



दतिया। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े की अध्यक्षता में आज सोमवार को समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में फसल गिरदावरी, सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत निराकृत प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन, राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता वितरण सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वानखड़े ने आगामी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भगुआपुरा में आयोजित होने वाले जनविश्वास शिविर की तैयारियों के संबंध में निर्देश दिए कि सभी अधिकारी निर्धारित समय पर शिविर में उपस्थित रहें। अपने-अपने विभागों से संबंधित कार्यालयों का निरीक्षण करें तथा जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की नॉन-अटेंडेड शिकायतों पर तत्काल जवाब दर्ज करने तथा उनका संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने को कहा। साथ ही वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन एवं डीएलसी की कार्यवाही की समीक्षा की। राजस्व प्रकरणों एवं किसानों को सहायता वितरण की समीक्षा बैठक में फसल गिरदावरी की प्रगति तथा ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता वितरण की समीक्षा की गई।

कलेक्टर द्वारा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों सहित अन्य लंबित विषयों की विस्तृत समीक्षा

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक का आयोजन

भिण्ड। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत सभी एल-1 अधिकारी अगले 4 दिनों में ही शिकायतकर्ताओं से सम्पर्क कर सीएम हेल्पलाइन शिकायतें संतुष्टि से बंद कराने का प्रयास करें। उन्होंने निर्देश दिए कि समुचित परीक्षण के बाद ही शिकायतें कार्यक्षेत्र से बाहर की जाएं और किसी भी शिकायत को 10 से अधिक बार कार्यक्षेत्र से बाहर नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शिकायतें बंद करवाने में सभी विभागों का प्रदर्शन राज्य के औसत से अधिक तथा संतुष्टि से बंद शिकायतों का प्रतिशत 50 से अधिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संबल, जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र और समग्र से



जुड़ी शिकायतो में संबंधित विभाग आवश्यक समन्वय कर गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए समग्र होना अनिवार्य है इसलिए जिले के सभी निवासियों के समग्र बनाए जाने हैं। उन्होंने समग्र पंजीयन और सत्यापन में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने गृह विभाग की 100+ दिवसों को शिकायतों की भी समीक्षा की तथा सभी थानों द्वारा लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद कराने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय सीमा बैठक में ये निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि न्यायालयीन प्रकरणों में, विशेषकर सेवा सम्बन्धी विषयों में, समय रहते आदेशों का पालन सुनिश्चित किया जाए जिससे अवमानना की स्थिति नहीं बने। समस्त नगरीय निकायों को निर्देशित किया कि आगामी त्यौहारों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में रेंकिंग में शामिल मापदंड में प्रदर्शन में सुधार लाया जाए और किसी भी विषय में विभागों का प्रदर्शन बॉटम-10 में नहीं पाया जाए। कलेक्टर ने बताया कि समय सीमा पत्रकों पर कार्यवाही पूर्ण होने पर जानकारी अपडेट करने के लिए विभागीय कैलेंडर तैयार किया गया है, जिसके अनुसार अधिकारियों को अपडेशन के लिए निर्धारित दिवसों पर आपरेटर सहित उपस्थित होना रहेगा।

निगमायुक्त ने किया क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण



महलगांव में नाला निर्माण के दिए निर्देश

ग्वालियर । निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने सुबह कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को महलगांव क्षेत्र में नाला निर्माण कार्य के निर्देश दिए। वहीं सडक पर नाश्ते की दुकान बनाकर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत क्षेत्रीय नागरिकों ने नगर निगम आयुक्त से की। निगमायुक्त ने तत्काल दुकान को हटाने कर उन्हें रिपोर्ट भेजने के निर्देश क्षेत्रीय अधिकारी को दिए।

निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने सबसे पहले क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 6 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद कर संग्रहकों से संपत्ति कर वसूली की जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें सम्पत्तिकर वसूली की पूरा रिकॉर्ड बताया, साथ ही आगे कार्रवाई की योजना की जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त ने अधिकारियों को संपत्ति कर वसूली में तेजी लाने के साथ दिए गए टारगेट को पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद नगर निगम आयुक्त ने क्षेत्रीय कार्यालय में मौजूद जनमित्र केंद्र का निरीक्षण किया और वहां पर संचालित हो रही योजनाओं का कितने हितग्राहियों को लाभ दिया जा रहा है, साथ ही जो पात्र हितग्राही हैं, उन्हें कैसे इसका लाभ दिया जाए, इसके बारे में विस्तृत निर्देश अधिकारियों को दिए।

इसके बाद निगमायुक्त ने लक्ष्मीबाई कॉलोनी का निरीक्षण किया, वहां पर उन्होंने साफ सफाई की व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही वहां पर चल रहा सीवर कार्य को देखा। वहीं क्षेत्रीय पार्षद पार्षद श्री विवेक त्रिपाठी ने ज्वाला का पुरा के पास निर्माणाधीन कॉलोनी तक सडक नहीं होने की समस्या बताई। अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर ने बताया कि सडक निर्माण में रेलवे की जमीन कुछ हिस्सा आ रहा है, रेलवे टुकड़ों में हमें एनओसी दे रहा है, जिसके कारण कार्य प्रभावित हो रहा है। नगर निगम आयुक्त ने निर्देश दिए कि रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्या का हल निकाला जाए।

वहीं रवि नगर में सीवर लाइन डालकर बिना पेचवर्क किए छोड़ देने की समस्या क्षेत्रीय जनता ने निगमायुक्त को बताई। निगमायुक्त ने तत्काल ठेकेदार को फोन कर फटकार लगाई और पेचवर्क का कार्य 8 दिनों में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद नगर निगम आयुक्त ने महलगांव में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां पर जलभराव की स्थिति के बारे में बताया।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित



ग्वालियर। जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सोमवार को न्यू कलेक्ट्रेट के सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ग्वालियर श्री सोजान सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बाल संरक्षण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम की रोकथाम, बाल विवाह उन्मूलन, बाल देखरेख संस्थाओं के निरीक्षण तथा जरूरतमंद बच्चों के संरक्षण एवं पुनर्वास पर चर्चा की गई। बैठक में भिक्षावृत्ति में संलिप्त बच्चों की पहचान कर उनका समुचित पुनर्वास सुनिश्चित करने तथा आगामी मेले में बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए प्रभावी अभियान चलाने पर जोर दिया गया। साथ ही बाल देखरेख संस्थाओं में बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का नियमानुसार निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

बाल विवाह की रोकथाम एवं बालिकाओं के सशक्तीकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए बेहतर देखभाल एवं पुनर्वास सुविधाएं विकसित करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में पॉक्सो प्रकरणों में बच्चों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए सपोर्ट पर्सन की कमी तथा विशेष किशोर पुलिस इकाई से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने का मुद्दा उठाया गया। इसके अतिरिक्त कॉलेज स्तर पर जागरूकता गतिविधियों एवं आरटीओ लाइसेंस प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाने पर भी चर्चा की गई।

किसानों को रबी सीजन के लिये बिजली की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

वरिष्ठ अधिकारी जन-प्रतिनिधियों से सतत संवाद करें



ग्वालियर। किसानों को रबी सीजन के लिये बिजली की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जन-प्रतिनिधियों से सतत संवाद कर बिजली की उपलब्धता एवं अन्य कठिनाइयों की जानकारी देते रहें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश सोमवार को मंत्रालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि एमडी पॉवर जनरेशन कम्पनी यह सुनिश्चित करें कि सभी प्लांट पूरी क्षमता के साथ बिजली का उत्पादन करें। कोयले की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करें। एमडी श्री मंजीत सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी प्लांटों में कोयले का पर्याप्त भण्डारण है। श्री तोमर ने एमडी ट्रांसमिशन कम्पनी श्री सुनील तिवारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिये।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली की माँग का आंकलन अग्रिम रूप से करें और उसकी आपूर्ति की सुनियोजित कार्य-योजना बनायें। उन्होंने प्रदेश में उपलब्ध नवकरणीय ऊर्जा के संबंध में भी जानकारी ली। किसानों को सिंचाई के लिये दिन में बिजली की आपूर्ति करने पर भी चर्चा हुई। तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों के एमडी ने रबी सीजन के लिये विद्युत उपलब्धता के संबंध में की गई तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। बैठक में प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री मनीष सिंह, एमडी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी श्री विशेष गढ़पाले सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। विभिन्न कम्पनियों के एमडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

स्वच्छता को अपनी आदत बनाना होगा : जीडीए अध्यक्ष भदौरिया



ग्वालियर। स्वच्छता किसी एक की नहीं हम सभी की जिम्मेदारी है तथा अपनी गली मोहल्ला एवं शहर को स्वच्छ बनाने के लिए हम सभी को अपनी आदत बदलनी होगी, तभी बदलेगा ग्वालियर। यह बात जीडीए अध्यक्ष मधुसुदन भदौरिया ने स्वच्छता संवाद के दौरान आम नागरिकों से चर्चा करते हुए व्यक्त किए।

नगर निगम द्वारा ग्वालियर के नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को जीआईआईटी कॉलेज भिण्ड रोड पर किया गया। इस अवसर पर सभी ने यह संकल्प लिया कि हम सभी मिलकर ग्वालियर को स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर कार्य करेंगे तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे एवं अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगें। जीडीए अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया ने स्वच्छता संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि अपने वार्ड एवं मोहल्ले, कॉलेज परिसर को साफ रखने के लिए मिलकर प्रयास करें। प्रधानमंत्री के आव्हान पर लोग स्वच्छता को अपना रहे हैं, आज अपना देश स्वच्छ भारत की दिशा में निरंतर आगे बड रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता होती है वहीं समृद्धि होती है तथा हम सभी यह जानते हैं कि स्वच्छता से हमारा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग हमारे लिए बहुत ही खराब है और प्लास्टिक की चीजों में गर्म खाना एवं भोजन का इस्तेमाल करना कैंसर का कारक है।

जिले में स्वामित्व अधिकार निष्पादन अभिलेख व पंजीयन अभियान ने गति पकड़ी

गाँव-गाँव निःशुल्क रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे बढ़ी



ग्वालियर। ग्वालियर जिले में भी स्वामित्व अधिकार निष्पादन अभिलेख व पंजीयन अभियान ने गति पकड़ ली है। जिले के विभिन्न ग्रामों में राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप लक्षित भूमि स्वामियों के अधिकार अभिलेखों का निःशुल्क पंजीयन (रजिस्ट्री) करने का काम किया जा रहा है। सोमवार को ग्राम सुसैरा, बनवार, चीनौर, सिगौरा, सोनी, मिलावली, लखनपुरा, बहांगीखुर्द व मकोड़ा सहित जिले के विभिन्न ग्रामों में राजस्व विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारी, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक सहित अन्य संबंधित विभागों के शासकीय सेवकों ने पहुँचकर स्वामित्व अधिकार के तहत निःशुल्क रजिस्ट्री करने के कार्य को आगे बढ़ाया। भू-अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री से गाँवों में सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है। स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में पंचायत स्तर पर पटवारी निष्पादन अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। पंजीयन अधिकारी की जिम्मेदारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक इत्यादि अधिकारियों को सौंपी गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया है कि स्वामित्व अधिकार निष्पादन अभिलेख व पंजीयन के लिये अपने-अपने क्षेत्र में 7 ङ्क 7 दिन का कार्यक्रम तैयार कर अभियान को पूरी गति के साथ संचालित करें। अभियान में सभी राजस्व अधिकारी पूरी लगन और मेहनत के साथ लक्ष्य अनुरूप कार्य को अंजाम दें।

जहाँ से अधिक शिकायतें आएं वहाँ विशेष फोकस कर करें समस्याओं का निराकरण

अंतरविभागीय समन्वय बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश



ग्वालियर। सीएम हैल्पलाइन पोर्टल पर जिस क्षेत्र से अधिक शिकायतें दर्ज हो रही हैं, संबंधित विभागीय अधिकारी उस क्षेत्र की शिकायतों का विश्लेषण कर अधिक शिकायत आने का कारण पता लगाएं। साथ ही उस क्षेत्र में विशेष फोकस कर जन समस्याओं का निराकरण करें, जिससे लोगों को सीएम हैल्पलाइन पर शिकायत करने की जरूरत न पड़े। इस आशय के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिक अवधि से लंबित सीएम हैल्पलाइन शिकायतों का विशेष गंभीरता के साथ निराकरण करने पर भी विशेष जोर दिया। सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रावत ने सेवा-संकल्प अभियान एवं संबल पंजीयन व इससे संबंधित आवेदनों के निराकरण की भी समीक्षा की।

साथ ही राज्य शासन द्वारा निर्धारित केपीआई (की पर्फोमेंस इंडीकेटर) के तहत विभागवार हितग्राहीमूलक योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति की समीक्षा भी की। अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद व श्री अनिल बनवारिया ने सीएम हैल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज प्राइवेट बीएड महाविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों की टीसी व मार्कशीट सहित अन्य दस्तावेज न दिए जाने संबंधित शिकायतों की सूची डाइट प्राचार्य से मांगी है। उन्होंने कहा कि इन सभी शिकायतों को गंभीरतापूर्वक निराकृत कर विद्यार्थियों को दस्तावेज दिलाए जायेंगे। जिले के विजन डॉक्यूमेंट से संबंधित जानकारी जिला योजना कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश भी बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए गए। साथ ही सांदीपनि स्कूल कुलैथ के बच्चों के लिये बस की व्यवस्था, मेला परिसर में प्रस्तावित स्वदेशी मेला तथा राज्य शासन के अन्य कार्यक्रमों की भी बैठक में समीक्षा की गई।

अचलेश्वर महादेव न्यास चुनाव : महेश मुद्गल न्यासी पद पर 545 वोटों से जीते, अध्यक्ष पद पर राजेश एरन का कब्जा

- नवीन गर्ग उपाध्यक्ष और रामकुमार गोयल मार्गदर्शक व्यवस्थापक निर्वाचित



ग्वालियर। अचलेश्वर महादेव न्यास के लिए रविवार को हुए चुनाव के परिणाम देर रात घोषित कर दिए गए। चुनाव में विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशियों के बीच मुकाबला देखने को मिला। मतगणना पूरी होने के बाद न्यासी पद पर महेश मुद्गल ने 545 वोटों से जीत दर्ज की, जबकि अध्यक्ष पद पर राजेश एरन ने कड़े मुकाबले में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 89 वोटों से पराजित कर विजय हासिल की।

चुनाव परिणाम घोषित होते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। पूरे चुनाव के दौरान न्यास के विभिन्न पदों को लेकर चर्चाओं का दौर जारी रहा और मतगणना के अंतिम परिणामों का इंतजार किया जाता रहा। न्यास के चुनाव में न्यासी पद के लिए महेश मुद्गल ने 545 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं, अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में राजेश एरन ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 89 वोटों से हराकर अध्यक्ष पद हासिल किया। अध्यक्ष पद का चुनाव कड़ा और रोमांचक रहा। उपाध्यक्ष पद के लिए नवीन गर्ग ने 297 वोटों से जीत हासिल की। इसके अलावा मार्गदर्शक व्यवस्थापक पद पर रामकुमार गोयल ने 613 वोटों से विजय दर्ज की।

अचलेश्वर महादेव न्यास के चुनाव को लेकर मतदाताओं और प्रत्याशियों में खासा उत्साह रहा। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना शुरू हुई और देर रात परिणाम घोषित किए गए। चुनाव परिणाम सामने आने के साथ ही न्यास के विभिन्न पदों पर नई जिम्मेदारियां संभालने वाले प्रतिनिधियों की स्थिति स्पष्ट हो गई।

जिले में स्वामित्व अधिकार निष्पादन अभिलेख व पंजीयन अभियान ने गति पकड़ी



ग्वालियर। जिले में भी स्वामित्व अधिकार निष्पादन अभिलेख व पंजीयन अभियान ने गति पकड़ ली है। जिले के विभिन्न ग्रामों में राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप लक्षित भूमि स्वामियों के अधिकार अभिलेखों का निःशुल्क पंजीयन (रजिस्ट्री) करने का काम किया जा रहा है। सोमवार को ग्राम सुसैरा, बनवार, चीनौर, सिगौरा, सोनी, मिलावली, लखनपुरा, बहांगीखुर्द व मकोड़ा सहित जिले के विभिन्न ग्रामों में राजस्व विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारी, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक सहित अन्य संबंधित विभागों के शासकीय सेवकों ने पहुँचकर स्वामित्व अधिकार के तहत निःशुल्क रजिस्ट्री करने के कार्य को आगे बढ़ाया। भू-अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री से गाँवों में सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है।

स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में पंचायत स्तर पर पटवारी निष्पादन अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। पंजीयन अधिकारी की जिम्मेदारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक इत्यादि अधिकारियों को सौंपी गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया है कि स्वामित्व अधिकार निष्पादन अभिलेख व पंजीयन के लिये अपने-अपने क्षेत्र में 7 - 7 दिन का कार्यक्रम तैयार कर अभियान को पूरी गति के साथ संचालित करें।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल 15 व 16 अक्टूबर को ग्वालियर प्रवास पर

ग्वालियर। राज्यपाल मंगुभाई पटेल 15 अक्टूबर को ग्वालियर के दो दिवसीय प्रवास पर पधारेंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान राज्यपाल पटेल राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय एवं राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोहों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल मंगुभाई पटेल 15 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे वायु मार्ग से राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल महाराजपुरा पहुँचेंगे। यहाँ से व्हीआईपी सर्किट हाउस मुरार जायेंगे। राज्यपाल पटेल अपरान्ह 3.15 बजे कृषि महाविद्यालय में सेंट्रल प्रोसेसिंग लाइन का उदघाटन करेंगे। इसके बाद अपरान्ह 3.45 बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में पहुँचकर विश्वविद्यालय के 12वे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के पश्चात व्हीआईपी सर्किट हाउस मुरार पहुँचकर विश्राम करेंगे। राज्यपाल पटेल 16 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के 7वे दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे। यह दीक्षांत समारोह राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित होगा।

श्री गणेश पूजन, मुकुट पूजन एवं नारद मोह की लीलाओं से हुआ 17वां रामलीला मंचन का शुभारंभ



ग्वालियर। नव दुर्गा रामलीला सेवा समिति सेक्टर-सी दीनदयाल नगर के अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया गया कि रामलीला समारोह के अंतर्गत रविवार की रात को श्री गणेश पूजन, मुकुट पूजन एवं नारद मोह, राम जन्म की पौराणिक एवं शिक्षाप्रद लीलाओं का भव्य मंचन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश पूजन से हुआ। विघ्नहर्ता गणेश की वंदना एवं पूजन के साथ मंगलाचरण किया गया। इसके उपरांत मुकुट पूजन की पावन लीला का मंचन हुआ, जिसमें प्रभु श्रीराम के मुकुट की पूजा कर उनके दिव्य स्वरूप एवं मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में प्रतिष्ठा की गई।

इसके बाद प्रस्तुत की गई नारद मोह लीला, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। इस लीला में देवऋषि नारद पर मोह और अभिमान का प्रभाव, भगवान विष्णु की लीला और अंततः नारद जी को प्राप्त शिक्षा का जीवंत चित्रण किया गया। कलाकारों ने अपनी संवाद अदायगी, भावपूर्ण अभिनय और रोचक मंचन के माध्यम से यह संदेश दिया कि अहंकार और मोह मनुष्य के पतन का कारण बनते हैं तथा धर्म, भक्ति और विनम्रता ही जीवन का सच्चा आभूषण है। इसके पश्चात भगवान श्रीराम जन्म की लीला का मंचन किया गया। भगवान श्रीराम के जन्म से जुड़े प्रसंगों को कलाकारों ने आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रभु श्रीराम के अवतरण की लीला के मंचन से वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारों के साथ अपनी आस्था व्यक्त की। भगवान श्रीराम के जन्म की लीला ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। दर्शकगण इस दृश्य को देखकर पूरी तरह मंत्रमुग्ध हो गए और तालियों की गड़गड़ाहट से वातावरण गूंज उठा। मंचन युगल किशोर रामलीला कला मंडल के कलाकारों द्वारा किया गया। उनकी वेशभूषा, भाव-भंगिमाएँ और सजीव अभिनय इतना प्रभावशाली रहा कि पूरा रामलीला मैदान भक्तिमय माहौल में डूब गया। इस अवसर सुरेंद्र यादव (जिला अध्यक्ष कांग्रेस ग्वालियर),गौरव तिवारी (पूर्व पार्षद प्रत्याशी वार्ड 18), मनीष शर्मा, हितेंद्र यादव (पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस), रामबाबू श्रीवास,रामोतार परमार (अध्यक्ष पूर्व सैनिक संगठन),भरत सिंह भदौरिया,रणविजय सिंह कुशवाह, धनपाल चौहान, भारत परिहार, धर्मेंद्र भदौरिया,रामगोपाल चौधरी, बनबारी श्रीवास्तव,राजपाल तोमर,विक्रम भदौरिया सहित समस्त पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश एवं श्रीराम की आरती की। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसी लीलाओं का उद्देश्य समाज में धर्म, सत्य, सदाचार और मर्यादा के मूल्यों को स्थापित करना है। सोमवार को ताड़का बध, पुष्प वाटिका एवं धनुष यज्ञ की लीलाओं का मंचन किया जाएगा।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं मुद्रक-संपादक उपेन्द्र सिंह परमार के लिए तोमर प्रिन्टर्स हाऊस नं. 28 कालोनी नं. 3बी, बिरला नगर ग्वालियर मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं हाऊस नं. 10 गणेश कालोनी, इंदिरा नगर चार शहर का नाका गिर्द ग्वालियर से प्रकाशित। संपादक : उपेन्द्र सिंह परमार। मो.- 9200375524 7, ई-मेल - uparamar203@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।) आर.एन.आई नं. MPHIN/26/A6689